www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, बुधवार
1 जुलाई 2026
वर्ष: 49
अंक: 65 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

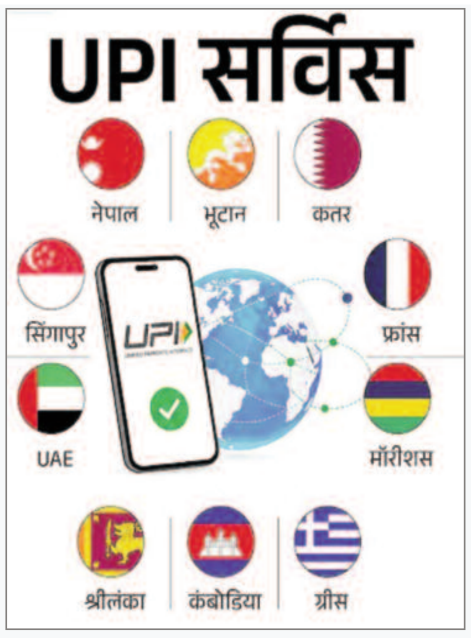

ग्रीस में शुरू हुई भारत की यूपीआई सर्विस

● अब दुनिया के 10 देशों में डिजिटल पेमेंट कर सकेंगे भारतीय ● केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की मौजूदगी में लाइव डेमो हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) अब ग्रीस में भी लाइव हो गया है। ग्रीस इस डिजिटल पेमेंट नेटवर्क से जुड़ने वाला नया देश बन गया है। एथेंस में यूरोबैंक के हेडक्वार्टर में यूरोबैंक और एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड की पार्टनरशिप से शुरू हुई इस सर्विस का लाइव डेमो भी देखा गया।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल लाइव डेमो देखा- केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एथेंस की अपनी ऑफिशियल विजिट के दौरान इस सर्विस के लाइव डेमो को देखा। उन्होंने कहा कि यूपीआई को मिल रही वैश्विक स्वीकार्यता से यह साबित होता है कि भारत की टेक्नोलॉजी पर दुनिया का भरोसा बढ़ रहा है।

अब 10 देशों में मिलेगी यूपीआई की सुविधा- ग्रीस के इस नेटवर्क में शामिल होने के बाद अब दुनिया के 10 देशों में अलग-अलग रूपों में यूपीआई का इस्तेमाल किया जा सकेगा। यह भारतीय यात्रियों के लिए क्यूआर-कोड आधारित मर्चेंट पेमेंट से लेकर क्रॉस-बॉर्डर रेमिटेंस सर्विसेज (पैसे ट्रांसफर करने) तक की सुविधा देता है।

ग्रीस से पहले कंबोडिया में शुरू हुआ था यूपीआई- ग्रीस से ठीक पहले कंबोडिया इस लिस्ट में शामिल होने वाला 9वां देश बना था। इसके लिए एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड ने वहां के एसीएलईडीए बैंक के साथ पार्टनरशिप की थी। इसके तहत कंबोडिया के नेशनल क्यूआर कोड केएचक्यूआर के जरिए क्रॉस-बॉर्डर यूपीआई पेमेंट्स की शुरुआत की गई थी।

फ्रांस के एफिल टॉवर से हुई थी शुरुआत

यूरोप में यूपीआई के विस्तार में फ्रांस एक बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। साल 2024 में पेरिस के एफिल टॉवर से यूपीआई को लॉन्च किया गया था। इसके बाद इस सर्विस का विस्तार वहां के बड़े रिटेल डेस्टिनेशंस जैसे नीस में स्थित 'गैलरीज लाफायेट' तक किया गया।

संक्षिप्त समाचार

पेट्रोल बेचने वाली कंपनियां तुरंत दाम घटाएं: ट्रम्प

● कच्चा तेल सस्ता, फिर भी ग्राहकों से ज्यादा पैसे वसूले जा रहे

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पेट्रोल बेचने वाली कंपनियों से तुरंत पेट्रोल के दाम घटाने को कहा है।

ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि कच्चे तेल की कीमत घटकर 68 डॉलर प्रति बैरल रह गई है, लेकिन इसका फायदा ग्राहकों तक नहीं पहुंच रहा। उन्होंने कहा कि लोग अब भी जरूरत से ज्यादा कीमत चुका रहे हैं, जबकि तेल लगातार सस्ता हो रहा है। उन्होंने कंपनियों से पेट्रोल की कीमत करीब 2.50 डॉलर प्रति गैलन तक लाने की अपील की। ट्रम्प ने कहा कि ग्राहकों से जरूरत से ज्यादा पैसे वसूलना गैरकानूनी है।

बरेली में पंडित राधेश्याम की प्रतिमा का अनावरण

● एकमात्र राजा राम ही हैं...विरासत का सम्मान न करने वाले कभी प्रगति नहीं करते

लखनऊ/बरेली (एजेंसी)। बरेली में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रसिद्ध कथावाचक और 'राधेश्याम रामायण' के रचयिता पंडित राधेश्याम की प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान उन्होंने

कहा कि विरासत का सम्मान ही प्रगति का आधार है। हर भारतीय के रोम-रोम में राम बसे हैं। उन्होंने संत तुलसीदास का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने अकबर के दरबार में जाने से इनकार कर दिया था, क्योंकि उनके लिए राम से बड़ा कोई दरबार नहीं था। रामपुर में जनसभा को संबोधित करने के बाद मुख्यमंत्री सीधे बरेली पहुंचे। पुलिस लाइन में हेलीकॉप्टर से उतरने के बाद वे सड़क मार्ग से जीआईसी ऑडिटोरियम पहुंचे, जहां उन्होंने पंडित राधेश्याम की प्रतिमा का लोकार्पण किया और उनकी रचित राधेश्याम रामायण की सराहना की।

कर्णप्रयाग, नगरासू और ऋषिकेश के बाद अब मसूरी में बवाल

● हरियाणा के पर्यटक ने लोगों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में पर्यटकों के उपद्रव की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। पहले ऋषिकेश, फिर कर्णप्रयाग, उसके बाद नगरासू और अब मसूरी में पर्यटकों ने सारी हदें पार कर दी हैं। पर्यटन सीजन में एक घटना खत्म नहीं हो पा रही है कि दूसरी घटना सिर उठा ले रही है। अब मसूरी में

हरियाणा के पर्यटक ने लोगों पर जानलेवा हमला कर दिया। कर्णप्रयाग, नगरासू और ऋषिकेश के बाद अब मसूरी में बवाल: मसूरी के माल रोड पर सोमवार की रात काफी हंगामेदार रही। यहां एक स्थानीय दंपति माल रोड पर टहर रहे थे। इसी दौरान रोड से हरियाणा के पर्यटकों की कार गुजरी। कार ने दंपति को टक्कर मार दी।

● राम मंदिर चोरी मामला

अयोध्या पहुंचे यूपी कांग्रेस अध्यक्ष नजरबंद

● कई कांग्रेस नेता हाउस अरेस्ट, सीसीटीवी की निगरानी में तैनात अफसर का 17 साल बाद ट्रांसफर

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को नजरबंद कर दिया गया है। विरोध कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस में धक्का-मुक्की हुई।

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर सियासत तेज हो गई। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को पुलिस ने सोमवार देर रात 11.30 बजे अयोध्या के एक होटल में नजरबंद कर दिया। थोड़ी देर बाद उन्हें कृषि विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस ले गई।

कांग्रेस सांसद किशोरी लाल शर्मा, तनुज पूनिया और उज्जवल रमण सिंह को हाउस अरेस्ट किया गया है। अजय राय के नेतृत्व में कांग्रेस डेलिगेशन चढ़ावा चोरी का विरोध करने पहुंचा था।

● **17 साल बाद आरएमओ का ट्रांसफर, सीसीटीवी की जिम्मेदारी संभालते थे-** राम मंदिर में 17 साल से तैनात रेडियो ऑपरेशन अधिकारी (आरएमओ) अर्जुन देव का ट्रांसफर हो गया। उन्हें गोरखपुर भेजा गया है। एसआईटी ने उनकी भूमिका को जांच के दायरे में लिया है। चढ़ावे की गिनती वाले काउंटिंग रूम के सीसीटीवी और राम मंदिर के 1600 कैमरों की निगरानी की जिम्मेदारी उनके पास थी। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी रिपोर्ट में अर्जुन की 17 साल से अयोध्या में तैनाती और ट्रस्ट के कामों में दखल का जिक्र है। रामलला जब टेंट में थे, तब भी अर्जुन सीसीटीवी का काम देखते थे। वह 2009 से अयोध्या में तैनात हैं। इस दौरान कई बार ट्रांसफर के आदेश जारी हुए, लेकिन हर बार ट्रांसफर रुक गया।

चंपत राय से 3 घंटे पूछताछ

सरकार ने एसआईटी से फाइनल रिपोर्ट मांगी

चंपत राय से रविवार को पुलिस ने करीब 3 घंटे पूछताछ की। पूछा कि उन्हें चढ़ावा चोरी का पता पहली बार कब और कैसे लगा। उसके बाद क्या-क्या किया।

इससे पहले, कोर्ट ने सोमवार को चढ़ावा चोरी में गिरफ्तार 8 आरोपियों की न्यायिक हिरासत 14 दिन बढ़ा दी। सूत्रों के मुताबिक, सरकार ने एसआईटी से फाइनल रिपोर्ट जल्द से जल्द सौंपने को कहा है। चोरी का मामला पहली बार 7 जून को सामने आया था। यूपी सरकार ने 13 जून को एसआईटी बनाई। 25 जून को एफआईआर हुई। रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसी दिन मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया।

हमारा पानी रोका तो हाथ काट देंगे: पाक मंत्री

सिंधु जल संधि अब भी लागू, भारत इसे एकतरफा खत्म नहीं कर सकता

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि पर एक बार फिर भारत को धमकी दी है। पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन मंत्री मुसादिक मलिक ने कहा कि अगर किसी ने पाकिस्तान के हिस्से का पानी रोकने की कोशिश की तो हम उन हाथों को काट देंगे। उन्होंने दावा किया कि भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी को रोकना चाहता है।

मुसादिक मलिक ने सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, पड़ोसी देश के प्रधानमंत्री के हाथ में एक नल है। वे कहते हैं कि पाकिस्तान में पानी की एक बूंद भी नहीं जाने देंगे। जो हमारे हिस्से के पानी पर दावा करेंगे, उनके हाथ काट दिए जाएंगे।

● **21 जून को पाक रक्षा मंत्री बोले थे- भारत के खिलाफ जंग छेड़ सकते हैं-** पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने 21 जून को सिंधु जल संधि स्थगित रहने को लेकर भारत को धमकी दी थी। पाकिस्तानी चैनल से बातचीत में आसिफ ने कहा कि अगर पाकिस्तान को लगा कि उसकी जल सुरक्षा खतरे में है, तो वह भारत के खिलाफ जंग छेड़ सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी के प्रवाह में दखल दे रहा है और रणनीतिक हथियार के तौर पर इसका इस्तेमाल कर रहा है।

सिंधु जल संधि पर सेमिनार करेगा पाकिस्तान

पाकिस्तानी मंत्रियों ने बताया कि मंगलवार को इस्लामाबाद में सिंधु जल संधि पर पहला अंतरराष्ट्रीय सेमिनार किया जाएगा। इसमें कानूनी एक्सपर्ट, जल एक्सपर्ट्स और विदेशी प्रतिनिधि शामिल होंगे। सेमिनार में संधि के कानूनी और तकनीकी पहलुओं पर चर्चा होगी। डॉन के मुताबिक, तरार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत पाकिस्तान के अधिकार सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर पहले भी साफ कर चुके हैं कि पानी हमारी जीवनरेखा है और यह हमारी रेड लाइन भी है।

उत्तराखंड पहुंचा मानसून: अगले चार दिन झमाझम बरसेंगे मेघ

भारी बारिश का अलर्ट, भूस्खलन और बाढ़ का खतरा

देहरादून। लंबे इंतजार के बाद दक्षिण-पश्चिम मानसून ने मंगलवार को उत्तराखंड के अधिकांश हिस्सों में प्रवेश कर लिया। मौसम विभाग ने आज से अगले चार दिनों तक प्रदेश के कुछ इलाकों में बेहद भारी वर्षा होने की चेतावनी जारी की है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार मानसून की उत्तरी सीमा प्रदेश के कई हिस्सों से गुजर रही है और अगले दो से तीन दिनों में यह शेष क्षेत्रों में भी पूरी तरह सक्रिय हो जाएगा। वर्तमान मौसम प्रणाली के तहत पंजाब से लेकर उत्तर बंगाल की खाड़ी तक मौसमी द्रोणिका सक्रिय है, जिससे प्रदेश में पर्याप्त नमी पहुंचने की संभावना है। इसके साथ ही दो जुलाई से एक नया पश्चिमी विक्षोभ भी असर दिखाएगा, जिससे बारिश और तेज हो आएगी। मौसम वैज्ञानिक

रोहित थपलियाल ने बताया कि एक जुलाई को देहरादून और बागेश्वर जनपद के कुछ इलाकों में भारी से बहुत भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि टिहरी, पौड़ी, नैनीताल, चंपावत, उधमसिंह नगर और पिथौरागढ़ में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। दो जुलाई को देहरादून, टिहरी, पौड़ी, नैनीताल और बागेश्वर में भारी से बेहद भारी वर्षा का अनुमान है। तीन और चार जुलाई को भी कई पर्वतीय जिलों में भारी बारिश और गरज-चमक के साथ तेज बौछारें पड़ने का अनुमान है। इस दौरान 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी संभावना है।

भूस्खलन और बाढ़ का खतरा

मौसम विभाग ने चेताया है कि लगातार बारिश के चलते पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन, चट्टान गिरने और मलबा आने की घटनाएं हो सकती हैं। नदियों और गदेरों का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ का खतरा भी बना रहेगा। कई स्थानों में सड़कें और राजमार्ग बाधित हो सकते हैं, जिससे आवागमन प्रभावित होगा। ऐसे में प्रशासन ने चारधाम यात्रा पर जा रहे श्रद्धालुओं से अनावश्यक यात्रा से बचने और सतर्क रहने की अपील की है।

संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने की हिदायत दी गई है। भारी बारिश के दौरान नदी-नालों से दूर रहने और जलभराव वाले क्षेत्रों में प्रवेश न करने की सलाह दी गई है।

एसआईआर पर 23 विपक्षी दलों ने सीजेआई को लेटर लिखा

डीएमके ने भी दस्तखत किए, बोले- चुनाव आयोग की प्रक्रिया मनमानी और लोकतंत्र विरोधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया और चुनाव से जुड़े अन्य मुद्दों को लेकर 23 विपक्षी दलों और एक निर्दलीय सांसद ने मंगलवार को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) को लेटर लिखा।

डीएमकेके प्रवक्ता सरवनन अन्नादुरई ने आरोप लगाया कि एसआईआर की प्रक्रिया मनमानी और लोकतंत्र विरोधी है। एसआईआर का उद्देश्य मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाना है, जबकि लोकतंत्र का आधार सभी वयस्क नागरिकों को वोट का अधिकार देना है। लेटर पर कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) समेत 23 विपक्षी दलों और निर्दलीय राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने हस्ताक्षर किए हैं।

एसआईआर से जुड़े मुद्दों पर विपक्ष की सहमति

सूत्रों के मुताबिक, लेटर पर साइन करने वालों में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी, राजद नेता तेजस्वी यादव, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और वाम दलों के नेता शामिल हैं। लेटर में कहा गया है कि जब लोकतांत्रिक संस्थाएं अपेक्षित तरीके से काम नहीं करतीं, तब देश की जनता न्यायपालिका की ओर उम्मीद से देखती है। इसमें चुनाव आयोग की भूमिका और स्द्धक्र प्रक्रिया से विभिन्न राज्यों में लोगों पर पड़े प्रभाव की बात की गई।

बंगाल में पेट्रोकेमिकल्स की पाइपलाइन में आग, 35 झुलसे, 2 की हालत गंभीर

● पास से गुजरी रेलवे लाइन पर भी असर, ट्रेन सर्विस प्रभावित

हल्दिया (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के हल्दिया में देर रात 2:45 बजे नेफ्था सप्लाई करने वाली पाइपलाइन में ब्लास्ट के बाद आग गई। इसकी चपेट में हल्दिया नगर पालिका के वार्ड-13 के चिरंजीबपुर इलाके के कई घर आ गए। घटना में 35 लोग झुलस गए।

पुलिस के मुताबिक, सभी पीड़ितों को हल्दिया सब-डिविजनल अस्पताल में एडमिट कराया गया। 5 को तमलुक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल रेफर किया गया। इनमें से 2 लोगों की हालत गंभीर है। आग बुझाने में 12 से ज्यादा फायर ब्रिगेड की गाड़ियां जुटी हुई हैं। अधिकारियों ने बताया कि आग सबसे पहले हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स की नेफ्था पाइपलाइन में दिखी। कुछ ही देर में आग आसपास के रिहायशी इलाके तक फैल गई। साउथ रेलवे के मुताबिक जहां आग लगी उसके पास से हल्दिया और दुर्गाचक लाइन गुजरी है।

● **आग लगने की वजह पता नहीं-** पुलिस के मुताबिक पाइपलाइन में आग किस वजह से लगी, इसका पता नहीं चल सका है। पूरा इलाका कवर किया गया है। आग के कारण घटनास्थल के पास रेलवे की ओवरहेड बिजली लाइन के इक्विपमेंट भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। घटना पर हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स ने बयान जारी किया है। कंपनी ने कहा- हादसे में कुछ लोगों के घायल होने की सूचना है और कंपनी प्रभावित लोगों व प्रशासन को हरसंभव सहयोग दे रही है। कंपनी के अनुसार, शुरुआती जानकारी से संकेत मिलता है कि यह घटना प्लांस के पास नैफ्था की चोरी वाले स्थान के आसपास हुई हो सकती है।

एक नजर

पहली बारिश में जलभराव और कीचड़ से सनीं सड़कें

हल्द्वानी। रविवार रात और सोमवार सुबह हुई झमाझम बारिश से शहर और आसपास के क्षेत्रों में जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया। शहर के राजपुरा, बनभूलपुरा, जज फार्म समेत कई वार्डों में पेयजल और सीवर लाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कें कीचड़ से पट गईं। इंदिरानगर, आनंदपुरी, कुसुमखेड़ा समेत कई कॉलोनियों में ड्रेनेज सिस्टम फेल होने से जलभराव हो गया। सड़कों पर पानी जमा होने से वाहन चालकों के साथ ही राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इंदिरानगर में शनिबाजार का नाला चोक होने से पानी सड़कों और घरों में घुस गया। इस पर निगम की टीम जेसीबी लेकर मौके पर पहुंची और किसी तरह नाला खुलवाया। यहां शनि बाजार नाला निर्माण के चलते कचरा जमा होने के कारण स्थिति और खराब हो गई। वहीं, तेज बारिश के कारण सुशीला तिवारी अस्पताल से हीरानगर की ओर जाने वाले मार्ग पर कई जगह सीवर लाइन चैंबरों के ढक्कन खुल गए। इससे सड़क पर सीवर बहता रहा। दरअसल कई जगह से बारिश का पानी सीवर लाइन में जाने से यह दिक्कत हुई। सीवर की दुर्गंध के कारण लोगों को परेशानी उठानी पड़ी।

बारिश के पानी से सड़क धंसी मुखानी जेकेपुरम ई–ब्लॉक में बारिश के पानी से सड़क धंस गई। इससे सड़क पर एक स्कार्पियो कार फंस गई। कार को ट्रैक्टर की मदद से कड़ी मशक्कत कर निकाला गया। दरअसल इस कॉलोनी में सीवरेज और पेयजल लाइन के लिए सड़क की खोदाई की गई है। डामरीकरण नहीं होने से सड़क कच्ची है। बारिश होने के बाद मार्ग पर आवाजाही मुश्किल हो गई है।

जसपाल राणा के गांव चिलामू से तैयार होंगे खेल प्रशिक्षक : चौहान

नैनबाग (टिहरी)। निशानेबाज दिवंगत जसपाल राणा के पैतृक गांव चिलामू में उनके नाम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर की आइन बॉल शूटिंग अकादमी स्थापित की जाएगी। अकादमी में प्रदेश और देशभर के युवाओं के साथ–साथ खेल प्रशिक्षकों को आधुनिक खेल प्रशिक्षण दिया जाएगा। आगामी सितंबर माह में अकादमी का संचालन शुरू करने की योजना प्रस्तावित की गई है। अंतरराष्ट्रीय आइन बॉल महासंघ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रताप चौहान ने बताया कि अकादमी के लिए भूमि का चयन चिलामू गांव में स्थित स्वर्गीय जसपाल राणा खेल मैदान में किया गया है। यहां विभिन्न खेलों के प्रशिक्षकों को तैयार किया जाएगा, जो विद्यालयों, महाविद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों तक बच्चों और युवाओं को खेल प्रशिक्षण देंगे। उन्होंने बताया कि पहले चरण में सितंबर माह में टिहरी जिले के खेल प्रशिक्षकों को बाल खेल प्रशिक्षक के रूप में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद देशभर के युवाओं और प्रशिक्षकों को जोड़ने की योजना है। अकादमी में निशानेबाजी, हैंडबॉल, बास्केटबॉल, टेनिस, एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेलों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिसका उद्देश्य खेलो इंडिया, बढ़ो इंडिया अभियान को गति देने के साथ वर्ष 2036 के ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए प्रतिभाओं को तैयार करना है।

कांग्रेस ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से मांगा इस्तीफा, किया प्रदर्शन

डोईवाला। कांग्रेस ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर मंगलवार को तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। कहा कि भाजपा के शासन में शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की व्यवस्थाओं पर सवालिया निशान लग रहे हैं।

मंगलवार को नगर और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की ओर से कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकालकर तहसील में नारेबाजी के साथ प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल ने कहा कि पेपर लीक, परीक्षाओं के निरस्तीकरण, भर्ती प्रक्रियाओं में देरी और अनियमितताओं ने करोड़ों युवाओं के भविष्य को संकट डाल दिया है। सालों की मेहनत करने वाले छात्र–युवा आज असुरक्षा, निराशा और मानसिक तनाव का सामना कर रहे हैं।

नगर अध्यक्ष करतार सिंह नेगी ने कहा कि नीट सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सामने आई अनियमितताओं ने शिक्षा प्रणाली की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ब्लॉक प्रमुख गौरव सिंह ने कहा कि परीक्षा और भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी, सुरक्षित और समयबद्ध बनाया जाए।

बारिश होने से किसानों के उदास चेहरे खिले

जौलीग्रांट। सोमवार और मंगलवार के दिन क्षेत्र में हुई अच्छी बारिश से किसानों के उदास चेहरे खिल उठे हैं। वहीं आम लोगों को भी बारिश से उमस भरी गर्मी से निजात मिली है। क्षेत्र में 12 जून को बारिश हुई थी। उसके बाद करीब 16 दिनों बाद सोमवार को बारिश हुई। एयरपोर्ट मौसम विभाग द्वारा सोमवार को 26.8 मिमी और मंगलवार को 16.2 मिमी, कुल 43 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। जिससे किसानों और आम लोगों दोनों को लाभ मिला है। किसान आलोक चंदेल ने बताया कि बारिश से किसानों के चेहरे खिले हैं। लेकिन रोपाई लगाने के लिए अभी और बारिश की आवश्यकता है। किसानों की नर्सरी में धान की पौध काफी बड़ी हो चुकी है। जिसे जल्द ही खेतों में लगाया जाना जरूरी है। किसान पंकज पुंडीर ने बताया कि बारिश के देर से होने के कारण धान की रोपाई में करीब एक हफ्ते का विलंब हुआ है। जौलीग्रांट और आसपास के अधिकांश किसानों ने धान की रोपाई अब तक नहीं लगाई है। बारिश होने के बाद किसान अब रोपाई लगाने के बारे में सोच रहे हैं। बारिश धान और दूसरी खरीफ की फसलों के लिए काफी जरूरी होती है।

स्कूटी चोरी के आरोप में दो भाई गिरफ्तार

ऋषिकेश। पुलिस ने स्कूटी चोरी के आरोप में दो भाइयों को गिरफ्तार किया है। आरोपित नशे के आदी हैं। उन्होंने तेल खत्म होने पर चोरी की स्कूटी को एक खंडहर में छिपा दिया था। ऋषिकेश कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक यशपाल बिष्ट ने बताया कि पुनीत बजाज ने 27 जून को पुरानी चुंगी से अपनी स्कूटी चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। मंगलवार को गश्त के दौरान पुलिस टीम ने आईडीपीएल के पास खंडहर से रवि और कृष ठाकुर को रोका। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे भाई हैं और नशे के आदी हैं। उन्होंने पुरानी चुंगी से स्कूटी चुराई थी। तेल खत्म होने के कारण स्कूटी को खंडहर में खड़ा कर दिया था। उनकी निशानदेही पर चोरी की स्कूटी बरामद कर ली गई है।

मैगी बनाते समय टेंट में लगी आग

केदारनाथ/फाटा। केदारनाथ धाम में सोमवार देर शाम अस्पताल के पास स्थित एक टेंट में मैगी बनाते समय अचानक आग लग गई। आग लगने से अफरातफरी मच गई। आग से टेंट जलकर राख हो गया। घटना के समय टेंट में कोई श्रद्धालु मौजूद नहीं था जिससे बड़ा हादसा टल गया। टेंट संचालक अनूप सिंह नेगी ने बताया कि अस्पताल के निकट उनके चार टेंट संचालित हैं। सोमवार शाम दिल्ली से आए कुछ युवा श्रद्धालु एक टेंट में ठहरे हुए थे।

राज्य स्तरीय मॉक ड्रिल की तैयारियां पूरी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : 2 जुलाई को राज्यभर में आयोजित होने वाली व्यापक मॉक ड्रिल के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अंतिम चरण की तैयारियों का आकलन करने के लिए मंगलवार को उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में टेबल टॉप एक्सरसाइज आयोजित की गई। इस दौरान राज्य के सभी 13 जनपदों एवं विभिन्न रेखीय विभागों की आपदा प्रतिक्रिया प्रणाली, आपसी समन्वय, संसाधनों की उपलब्धता तथा राहत एवं बचाव कार्यों की कार्य योजना का विस्तृत परीक्षण किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में 02 जुलाई को राज्य में अब तक की सबसे व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। सभी 13 जनपदों में मानसून के दौरान आपदाओं का प्रभावी तरीके से सामना करने के लिए राज्य के अलग-अलग 66 स्थानों पर मॉक ड्रिल होगी। खास बात यह है कि जिन स्थानों पर यह मॉक ड्रिल आयोजित की जा रही है, उनमें से 95 प्रतिशत स्थान नए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मॉक ड्रिल का निरीक्षण करेंगे। इस अवसर पर सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर विभिन्न रेखीय विभागों के बीच समन्वय को बेहतर बनाने,

उपकरणों, संसाधनों का आपदा के समय बेहतर से बेहतर उपयोग करने तथा वास्तविक आपदा के समय राहत और बचाव कार्यों को प्रभावी तरीके से संचालित करने के लिए इस मॉक ड्रिल का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मॉक ड्रिल का उद्देश्य केवल एक अभ्यास तक सीमित नहीं है, बल्कि वास्तविक आपदा की स्थिति में विभिन्न विभागों की तत्परता, संसाधनों की उपलब्धता, त्वरित निर्णय क्षमता तथा समन्वित प्रतिक्रिया प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाना है। टेबल टॉप एक्सरसाइज के दौरान विभिन्न रेखीय विभागों की तैयारियों को परखा गया। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से पूछा गया कि अतिवृष्टि, बाढ़, भूस्खलन, जलभराव, मानव वन्य जीव संघर्ष की सूचना प्राप्त होने पर क्या किया गया। किस तरह राहत और बचाव कार्य संचालित किए गए। किन-किन उपकरणों का उपयोग किया गया। गोताखोर, जल पुलिस, जेसीबी, बोट, राफ्ट आदि के परिचालन पर भी विमर्श हुआ। राहत शिविरों में रेस्क्यू किए गए लोगों के लिए क्या-क्या व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, इन सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। यूएसडीएमए के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी-क्रियान्वयन डीआईजी राजकुमार नेगी ने मॉक ड्रिल के लिए क्या-क्या तैयारियां करनी हैं, इसके बारे में विस्तार से जनपदों को बताया। इस अवसर पर आईजी अग्निशमन विभाग श्रीमती विम्मी सचदेवा, एससीईओ क्रियान्वयन डीआईजी राजकुमार नेगी, निदेशक पशुपालन डॉ. उदय शंकर, कमाण्डेंट एनडीआरएफ संतोष कुमार, डीआईजी एसएसबी दुर्गा बहादुर, राजीव बलूनी, कर्नल पंकज अवस्थी, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मो. ओबैदुल्लाह अंसारी, उप निदेशक अग्निशमन विभाग एसके राणा, डॉ. अनीता चमोला, डॉ. रोहित थपलियाल, डॉ. पंकज सिंह, ग्रुप कैप्टन आरआर रौथाण आदि उपस्थित रहे।

एसडीआरएफ के सभी कार्मिकों के पास सचेत और भूदेव एप

उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) द्वारा संचालित सचेत एवं भूदेव ऐप डाउनलोड अभियान के तहत एसडीआरएफ के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दोनों ऐप अपने मोबाइल फोन में डाउनलोड कर लिए हैं। इसके साथ ही विभाग ने शत-प्रतिशत डाउनलोड का लक्ष्य हासिल कर लिया है। टेबल टॉप एक्सरसाइज के दौरान एसडीआरएफ के डिप्टी कमांडेंट शुभांक रतूड़ी ने इसकी जानकारी दी। इस उपलब्धि पर सचिव, आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास, विनोद कुमार सुमन ने एसडीआरएफ की सराहना करते हुए कहा कि आपदा प्रबंधन में तकनीक आधारित प्रारंभिक चेतावनी

सरकार की बुद्धि–शुद्धि के लिए किया यज्ञ

कंडीसौड़ (टिहरी)। राम और बौर गांव की चारागाह की जमीन बचाने को के लेकर चल रहा आंदोलन थमने का नाम नहीं ले रहा है। भूमि की नीलामी निरस्त करने की मांग को लेकर धरना स्थल सुल्याधार में स्थानीय लोगों ने बुद्धि शुद्धि यज्ञ और भू–भूम्याल देवताओं का आह्वान किया। सरकार से भूमि की नीलामी प्रक्रिया को जल्द निरस्त करने की मांग की पैतृक भूमि संरक्षण समिति के बैनर तले मांग के समर्थन में मंगलवार को 8वें दिन भी स्थानीय लोग क्रमिक अनशन पर बैठे रहे।

धरना स्थल पर स्थानीय लोग और जनप्रतिनिधि एकत्रित हुए। उन्होंने सरकार और प्रशासन की बुद्धि शुद्धि के लिए यज्ञ करते हुए आहुति डाली। क्षेत्रपाल देवता, भू–भूम्याल देवताओं का आह्वान किया। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अतर सिंह तोमर, पूर्व कनिष्ठ प्रमुख कुलदीप पंवार, प्रधान संगठन अध्यक्ष युद्धवीर रावत, समिति के अध्यक्ष नत्थी सिंह कैंतुरा ने भूमि की नीलामी निरस्त करने की मांग दोहराई।

उन्होंने कहा चारागाह की जमीन ग्राम समाज की होती है जिससे उनका हक–हकूक जुड़ा है। शासन–प्रशासन जबरन चारागाह की जमीन बेच नहीं सकती है। जनहित को देखना सरकार की प्राथमिकता है। राज्य आंदोलनकारी रजनीश कौंसवाल ने भूमि बचाने के लिए सभी से एकजुट होने की अपील की। दायित्वधारी खेम सिंह चौहान, जिला पंचायत उपाध्यक्ष मान सिंह रौतला, भाजपा मंडल अध्यक्ष ऋषिराम भट्ट ने कहा कि जनता के विरोध के चलते भूमि की नीलामी रुकनी चाहिए।

फूलों की घाटी में पहुंचे डेढ़ गुना अधिक पर्यटक

ज्योतिर्मठ। विश्व धरोहर फूलों की घाटी में इस साल एक माह के भीतर डेढ़ गुना अधिक पर्यटक पहुंचे हैं। घाटी में लगातार पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी की जा रही है। इससे वन विभाग में खुशी का माहौल है।

नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क के अंतर्गत फूलों की घाटी एक जून से पर्यटकों के लिए खोली गई। इस साल मौसम काफी अनुकूल बना रहा। इस कारण घाटी में पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है जबकि घाटी का अब पीक सीजन आने वाला है।

जुलाई और अगस्त माह के दौरान घाटी में सबसे अधिक फूल खिलते हैं। इसी दो माह में यहां सर्वाधिक पर्यटक पहुंचते हैं। इस साल जिस तरह से एक माह के अंतर्गत पिछले साल के मुकाबले इस साल डेढ़ गुना अधिक पर्यटक पहुंचे हैं उसे देखते हुए वन विभाग को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में यह संख्या तेजी से बढ़ेगी। यदि बरसात में सड़कें बंद नहीं हुई तो पर्यटकों की संख्या में इजाफा होना तय है। नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क के डीएफओ अभिमन्यु का कहना है कि फूलों की घाटी में एक माह में

पिछले साल की तुलना में डेढ़ गुना अधिक पर्यटक भ्रमण करने पहुंचे हैं। इस साल घाटी में अभी तक 7,294 पर्यटक यहां आ चुके हैं, इसमें 34 विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं। जबकि पिछले साल इस अवधि में 3,893 पर्यटक पहुंचे थे।

उत्तराखण्ड की सड़क अवसंरचना को 7 हजार करोड़ की मिली सहमति

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में प्रतिभाग किया। बैठक में उत्तराखण्ड राज्य से संबंधित सड़क एवं अवसंरचना विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

मुख्यमंत्री ने राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों, सीमांत क्षेत्रों की सामरिक एवं रणनीतिक महत्ता, तीर्थाटन, पर्यटन, आपदा प्रबंधन की आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए राज्य में सुदृढ़ एवं आधुनिक सड़क नेटवर्क के विकास की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने राज्य के लंबित प्रस्तावों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय का अनुरोध किया। केंद्रीय सड़क अवसंरचना निधि के अंतर्गत वर्ष 2026-27 हेतु राज्य सरकार को लगभग रूपये 750 करोड़ लागत की परियोजनाओं की स्वीकृति पर सहमति प्रदान की गई। इसके साथ ही एनएचओ के अंतर्गत

05 प्रमुख परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई, जिनकी कुल अनुमानित लागत लगभग रूपये 2966 करोड़ है। इनमें श्रीनगर बाईपास का , पुरकाजी-लक्सर-हरिद्वार मार्ग की चार-लेनिंग, लोहाघाट एवं पिथौरागढ़ बाईपास की एलाइमेंट, मझोला से खटीमा के आबादी भाग में चार-लेन विस्तार तथा रामनगरझरानीखेत (मोहन) मार्ग का सुदृढ़ीकरण प्रमुख रूप से शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2025-26 तक की रूपये 530.11 करोड़ की लंबित प्रतिपूर्ति राशि शीघ्र अवमुक्त किए जाने का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने नेशनल हाईवे पर सुपर के माध्यम से अन्य मार्गों के संयोजन हेतु कुछ परियोजनाओं के लिए लगभग रूपये 3000 करोड़ की सैद्धांतिक सहमति प्रदान किए जाने का अनुरोध किया, जिस पर केंद्रीय मंत्री द्वारा सकारात्मक सहमति व्यक्त की गई। इसके अतिरिक्त अल्मोड़ा सिकुड़ा बैंड से एनएच-309 तक टनल सहित मोटर मार्ग निर्माण हेतु लगभग रूपये 300 करोड़ की परियोजना पर चर्चा और सैद्धान्तिक सहमति की गई। बैठक में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री अजय टम्टा, सचिव लोक निर्माण विभाग डॉ. पंकज कुमार पांडेय, सचिव सड़क परिवहन बृजेश कुमार संत, स्थानिक आयुक्त अजय मिश्रा एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश में बिजली का बिल जुलाई में फिर आएगा महंगा

देहरादून। प्रदेश में बिजली का बिल जुलाई में फिर महंगा आएगा। यूपीसीएल ने जुलाई के लिए ईंधन और बिजली खरीद लागत समायोजन (एफपीपीसीए) की नई दरें जारी कर दी हैं। गर्मियों के सीजन में यूपीसीएल को बाजार से महंगी बिजली मिल रही है, जिस कारण एफपीपीसीए की दरें लगातार कई माह से बढ़ी हुई आ रही हैं।

यूपीसीएल के मुख्य अभियंता व्यावसायिक एनएस बिष्ट की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, एफपीपीसीए की नई दरें जारी कर दी गई हैं जो जुलाई के बिल में वसूल की जाएंगी। आपको बता दें कि मई और जून के बिल में भी एफपीपीसीए दरों के हिसाब से बिजली बिल अधिक आया था।

बीडीसी बैठक में अधिकारियों की अनुपस्थिति पर आक्रोश

नई टिहरी। जाखणीधार ब्लॉक की बीडीसी बैठक में पंचायत प्रतिनिधियों ने अपने–अपने क्षेत्र की सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। सदस्यों ने बैठक में विभागों के सक्षम अधिकारियों की गैरमौजूदगी पर नाराजगी व्यक्त की। बैठक में जाखणीधार ब्लॉक के 52 ग्राम पंचायतों को ओबीसी में शामिल करने का प्रस्ताव पारित किया गया। ब्लॉक प्रमुख राजेश नौटियाल की अध्यक्षता में बीडीसी बैठक आयोजित की गई। विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा कि क्षेत्र के विकास और समस्याओं के समाधान के लिए पंचायत प्रतिनिधियों को सरकार,प्रशासन के साथ समन्वय बनाना चाहिए। कहा कि टिहरी विधानसभा क्षेत्र को ओबीसी में शामिल करवाने के लिए वह निरंतर प्रयास कर रहे हैं। ब्लॉक प्रमुख नौटियाल ने बैठक में उठाई गई समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। प्रधान रतन सिंह भंडारी ने लवोईगांव–कांडीखाल–टिपरी मोटर मार्ग में खेत कटिंग का मुआवजा भुगतान करने, कस्तल की प्रधान सावित्री चौहान ने कस्तल–म्यूंडी–मंदार मोटर मार्ग का डामरीकरण करने, रोशन लाल ने मठियाली मोटर मार्ग के मलबे के कारण अनुसूचित जाति के घरों को हुए खतरे की सुरक्षा करने की मांग की।

किशोरी की सगाई रुकवाई, परिजनों से लिया लिखित आश्वासन

रुद्रप्रयाग। अगस्त्यमुनि ब्लॉक की बछणस्यूं पट्टी में एक 16 वर्षीय किशोरी की सगाई को शिकायत पर जिला प्रशासन ने रुकवा दिया।

प्रशासन को खबर मिली थी कि चार दिन पहले किशोरी की पौड़ी निवासी युवक से सगाई हुई है। जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार मिश्र के निर्देश पर वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रशासक रंजना गैरोला भट्ट, चाइल्ड हेल्पलाइन के परियोजना समन्वयक सुरेंद्र सिंह, केस वर्कर अखिलेश और मिशन शक्ति की जेंडर स्पेशलिस्ट अंजनी मौके पर पहुंचे। पूछताछ में परिजनों ने बताया कि किशोरी पिछले दो वर्षों से संबंधित युवक के संपर्क में थी और उसी से विवाह करने की जिद कर रही थी। इसी कारण परिवार ने उसकी सगाई कर दी थी। टीम ने परिजनों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम की जानकारी दी।

गुरदासपुर से पैदल निकले सिख जत्थे का विष्णुप्रयाग में स्वागत

ज्योतिर्मठ। गुरदासपुर से पैदल हेमकुंड साहिब की यात्रा पर निकला सिखों का जत्था सोमवार को गोविंदघाट पहुंच गया। गोविंदघाट गुरुद्वारा के प्रबंधक सेवा सिंह ने विष्णुप्रयाग में पहुंचकर जत्थे का स्वागत किया। जत्थे में शामिल सिखों ने कहा कि सोशल मीडिया पर जिस तरह का माहौल बनाया जा रहा वह पूरी तरह से गलत है। हमारी यात्रा के दौरान हमें कहीं भी किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। सब जगह प्यार और सम्मान मिला है। पंजाब के गुरदासपुर से दो जून को 80 सिखों का जत्था हेमकुंड साहिब के लिए पैदल चला था और वह सोमवार को गोविंदघाट पहुंचा। दो जुलाई को वे हेमकुंड साहिब में मत्था टेकने पहुंचेंगे। जत्थे के साथ चल रहे प्रो. गुरविंदर सिंह ने बताया कि 32 वर्ष से हेमकुंड साहिब की पैदल यात्रा की जा रही है। यात्रा को लेकर सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाई जा रही है। हमें यात्रा मार्ग पर कहीं भी ऐसा नहीं दिखा। उन्होंने सभी को निसंकोच हेमकुंड साहिब की यात्रा

करने का आह्वान किया। जत्थे में विजेंद्र सिंह, हरपाल सिंह, गुरुदेव सिंह, सुरजीत सिंह, अमरदीप सिंह, विक्रम सिंह, सुरजीत कौर, इंद्रजीत कौर सहित 80 सिख श्रद्धालु शामिल हैं। वहीं गोविंदघाट गुरुद्वारा प्रबंधक सेवा सिंह ने सभी को सोशल मीडिया पर अफवाह न फैलाने, अपशब्दों का प्रयोग न करने की अपील की।

देवल पहुंचे सांसद चंद्रशेखर आजाद, केतन के परिजनों से मिले

टिहरी। सांसद चंद्रशेखर आजाद देवल गांव में हुई केतन की मौत के मामले को लेकर परिजनों से मिलने पहुंचे। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि वह पीड़ित परिवार के साथ हर समय मजबूती से खड़े हैं।

नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद आखिरकार दो दिन बाद प्रतापनगर के देवल गांव पहुंच गए। उन्होंने केतन लाल के शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। केतन के परिजनों ने उन्हें घटना की जानकारी दी। सांसद ने घटना पर दुख जताया और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए परिजनों को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया।

प्रतापनगर ब्लॉक के देवल गांव निवासी केतन लाल की 8 जून को मारपीट के बाद मौत हो गई थी। उसके बाद से क्षेत्र में तनाव का माहौल है। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के

अध्यक्ष व सांसद चंद्रशेखर आजाद 28 जून को मृतक केतन लाल के परिजनों से मिलने जा रहे थे लेकिन सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए पुलिस ने उन्हें हरिद्वार में ही रोक दिया था। इससे नाराज सांसद वहीं धरने पर बैठ गए थे। पुलिस ने उन्हें 30 जून को मृतक केतन लाल के परिजनों से मुलाकात कराने का आश्वासन दिया तो वह वापस चले गए थे।

मुखेम बाईपास सड़क के एलाइनमेंट पर उठे सवाल

नई टिहरी। मुखेम के ग्रामीणों ने कंडियाल गांव–धंगड़गांव–पोखरी–मुखेम बाईपास मोटर मार्ग के एलाइनमेंट और निर्माण प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल ने डीएम नीतिका खंडेलवाल को ज्ञापन सौंपकर सड़क के सर्वेक्षण और एलाइनमेंट की निष्पक्ष जांच कराने व किसानों की आपत्तियों का निस्तारण करने की मांग की। उन्होंने डीएम को बताया कि वर्ष 2021 में मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत प्रतापनगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कंडियाल गांव–धंगड़गांव–पोखरी–मुखेम बाईपास सड़क की स्वीकृति मिली थी। मोटर मार्ग क्षेत्र के 13–14 गांवों की आवागमन सुविधा और विकास को ध्यान में रखकर प्रस्तावित किया गया था।

ज्ञापन में कहा गया कि कुछ प्रभावशाली लोगों के निजी हितों के चलते मार्ग के मूल एलाइनमेंट में बदलाव कर दिया गया। मुखेम गांव के कई किसानों की भूमि पर उनकी सहमति के बिना सड़क कटान का कार्य शुरू कर दिया गया जिससे कृषि भूमि को नुकसान पहुंचा है। कुछ परिवार भूमिहीन होने की स्थिति में पहुंच गए हैं। आरोप लगाया कि वर्तमान एलाइनमेंट तकनीकी मानकों के अनुरूप नहीं है।

एक नजर

बरसात से पहले नालियों की सफाई कराने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के लोगों ने बरसात से पहले सभी वार्डों की नालियों की सफाई कराने की मांग उठाई है। उनका कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक नालियों की सफाई नहीं कराई गई है, जिससे बारिश के दौरान जलभराव की समस्या गंभीर रूप ले सकती है।

इस संबंध में मनोहर सिंह और राजीव कुमार ने महापौर शैलेंद्र सिंह रावत को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के कई वार्डों में नालियां गंदगी से अटी पड़ी हैं और उनकी सफाई नहीं होने से हल्की बारिश में भी जलभराव की स्थिति बनने लगती है। यदि समय रहते सफाई नहीं कराई गई तो लगातार बारिश के दौरान लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी जलभराव के कारण कई वार्डों में घरों के भीतर गंदा पानी घुस गया था। आरोप लगाया कि नगर निगम का सफाई अभियान मुख्य रूप से शहर के प्रमुख वार्डों तक ही सीमित रहता है, जबकि भाबर क्षेत्र की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने नगर निगम से सभी वार्डों में शीघ्र नालियों की सफाई कराकर जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की।

श्रद्धालु जीवन में धार्मिक एवं नैतिक मूल्यों को अपनाएं

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत बिलकेदार में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा महापुराण का मंगलवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-पूजन एवं प्रसाद वितरण के साथ श्रद्धापूर्वक समापन हो गया। कथा के अंतिम दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूर्णाहुति में भाग लेकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं विश्व कल्याण की कामना की। मौके पर व्यास आचार्य मधुसूदन घिल्डियाल ने अंतिम दिवस की कथा में श्रीमद्भागवत के संदेशों का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान की भक्ति, सत्संग और सदाचार से ही मानव जीवन सफल बनता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से धार्मिक एवं नैतिक मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। (एजेंसी)

बस अड्डे के संचालन के लिए निगम तैयार

गदरपुर। उत्तराखंड के प्रमुख नगरों में शामिल गदरपुर की जनता और यात्रियों को करोड़ों रुपये की लागत से बने रोडवेज बस स्टैंड के संचालन का इंतजार है। करीब एक वर्ष पहले निर्माण कार्य पूरा होने के बावजूद बस अड्डा अब तक शुरू नहीं हो सका है।

परिवहन निगम के अधिकारियों का कहना है कि सभी तैयारियां पूरी हैं, केवल शासन स्तर से उद्घाटन की अनुमति मिलना शेष है। महतोष पुलिस चौकी के निकट बने आधुनिक बस स्टैंड में चहारदीवारी, मुख्य द्वार, कार्यालय, टिकट घर, कैंटीन, विश्राम गृह, प्लेटफार्म और शौचालय सहित सभी सुविधाएं तैयार हैं। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद कार्यदायी संस्था उत्तराखंड कृषि उत्पादन विपणन बोर्ड ने बस स्टैंड परिवहन निगम को सौंप दिया है।

परिवहन निगम के अधिकारियों के निरीक्षण के दौरान सामने आई तकनीकी कमियों को भी दूर किया जा चुका है।

वर्तमान में रुद्रपुर–काशीपुर मार्ग की रोडवेज बसें नगर के सकैनिया मोड़, गूलरभोज रोड, कोतवाली, गुरुद्वारा और दिनेशपुर मोड़ सहित विभिन्न स्थानों पर सवारियां चढ़ा–उतार रही हैं। इससे यात्रियों के साथ–साथ क्षेत्रीय व्यापारियों को भी नए बस अड्डे का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

देहरादून–देवलकोट बस सेवा दो माह बाद फिर शुरू

नंदासैंण। लगभग दो माह के अंतराल के बाद मंगलवार से देहरादून–देवलकोट उत्तराखंड परिवहन निगम की बस सेवा दोबारा शुरू हो गई है। चारधाम यात्रा के संचालन में बसों को लगाए जाने के कारण यह सेवा बंद कर दी गई थी। बस सेवा बंद रहने से क्षेत्र के यात्रियों को निजी वाहनों से सफर करना पड़ रहा था।

वरिष्ठ नागरिकों को सबसे अधिक परेशानी हुई, क्योंकि वे परिवहन निगम की रियायती यात्रा सुविधा का लाभ नहीं ले पा रहे थे। क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता प्रेम खत्री, कल्याण सिंह, राजेंद्र सिंह आदि ने कहा कि सेवा के दोबारा शुरू होने से यात्रियों को बड़ी राहत मिली है। देहरादून और मार्ग के अन्य प्रमुख पड़ावों तक अब नियमित परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी।

90 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का हुआ डिजिटाइजेशन

गोपेश्वर। अपर जिलाधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी विवेक प्रकाश की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ एसआईआर को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि जिले में वर्तमान तक 90.45 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन पूर्ण कर लिया गया है।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत आयोजित बैठक में एसआईआर की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में अभियान की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया गया कि जिले में कुल दो लाख 95 हजार 623 मतदाताओं के सापेक्ष दो लाख 95 हजार 432 गणना प्रपत्रों का वितरण किया जा चुका है, जो लक्ष्य का 99.94 प्रतिशत है। वहीं दो लाख 67 हजार 378 (90.45प्रतिशत) गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन पूरा कर लिया गया है।

विधानसभावार की प्रगति के तहत बदरीनाथ विधानसभा में 90.02 प्रतिशत, थराली में 91.32 प्रतिशत और कर्णप्रयाग में 89.93 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन किया जा चुका है। बैठक में एसआईआर के उद्देश्य को भी स्पष्ट किया गया। इस दौरान सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी धीरेंद्र सती, कांग्रेस से मदन लोहानी, आप से अनूप सिंह रावत, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया से ज्ञानेंद्र खंतवाल सहित अन्य राजनीति दलों के प्रतिनिधि व बीएलए वर्चुअली जुड़े रहे।

पीएचसी गौचर के भरत सिंह नेगी चीफ फार्मासिस्ट बने

गौचर। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गौचर के फार्मेसी अधिकारी भरत सिंह नेगी को चीफ फार्मासिस्ट के पद पर पदोन्नत किया गया है।

नेगी को 20 वर्ष की सेवा अवधि पूरी करने के बाद पदोन्नति मिली है। वह पिछले 12 वर्षों से गौचर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने जन सरोकारों के लिए हमेशा तत्परता दिखाई है। कर्णप्रयाग विधायक अनिल नौटियाल, पालिका अध्यक्ष संदीप नेगी, व्यापार संघ अध्यक्ष राकेश लिंगवाल और पूर्व पालिका अध्यक्ष मुकेश नेगी ने भी उन्हें बधाई दी।

सिद्धबली मंदिर के प्रवेश द्वार के समीप फिर पहुंचा हाथी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार श्री सिद्धबली मंदिर के समीप हाथी की धमक थमने का नाम नहीं ले रही। सोमवार रात एक बार फिर हाथी उक्त स्थान पर पहुंचा। आसपास मौजूद लोगों ने हाथी की इस चहलकदमी का वीडियों बनाया और उसे सोशल मीडिया में प्रसारित किया। श्री सिद्धबली मंदिर का अधिकांश हिस्सा जंगल से सटा होने के कारण इन दिनों हाथी अक्सर आबादी क्षेत्र तक पहुंच रहे हैं। पिछले एक सप्ताह में यह तीसरी घटना है, जब हाथी मंदिर के प्रवेश द्वार तक पहुंचा। सोमवार रात करीब साढ़े दस बजे हाथी अपने शावक के साथ पार्किंग स्थल में आया और काफी देर तक खुले मैदान में घूमता रहा। इसके बाद हाथी ने पार्किंग में रखे एक काउंटर को सूंड से उठाकर इधर-उधर घुमाना शुरू कर दिया। इस दौरान शावक भी काउंटर के साथ खेलता दिखाई दिया। हाथी काफी देर तक मैदान में काउंटर को सूंड से

सिद्धबली मंदिर के समीप प्रवेश द्वार पर घूमता हाथी

इधर-उधर घुमाता रहा। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और हाथी व उसके शावक को सुरक्षित तरीके से वापस जंगल की ओर खदेड़ दिया। वहीं, सिद्धबली-सनेह मार्ग पर रात के समय लोगों का आवागमन बना रहता है। ऐसे में हाथियों की लगातार मौजूदगी राहगीरों के लिए खतरा पैदा कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले भी इस मार्ग पर हाथी कई लोगों को दौड़ा चुके हैं। उन्होंने वन विभाग से क्षेत्र में रात्रिकालीन गशत बढ़ाने और आवश्यक सुरक्षा इंतजाम करने की मांग की है।

अधूरी बाढ़ सुरक्षा दीवार पर पार्षद ने जताई नाराजगी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या सात स्थित कौड़िया क्षेत्र में काली मंदिर रोड के समीप बाढ़ सुरक्षा दीवार का निर्माण अधूरा छोड़े जाने पर पार्षद सुभाष पांडे ने नाराजगी जताई है। उन्होंने वर्षाकाल से पहले निर्माण कार्य पूरा कराने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि समय रहते कार्य पूरा नहीं हुआ तो नाले का पानी आबादी क्षेत्र में घुसकर भारी नुकसान पहुंचा सकता है।

पार्षद सुभाष पांडे ने नगर आयुक्त पी.एल. शाह को ज्ञापन सौंपकर बताया कि काली मंदिर रोड के निकट स्थित नाले पर नगर निगम की ओर से बाढ़ सुरक्षा दीवार का निर्माण कराया जा रहा था, लेकिन कार्य बीच में ही अधूरा छोड़ दिया गया। उनका कहना है कि अधूरी दीवार के कारण बरसात के दौरान नाले का पानी सीधे आबादी की ओर रुख कर सकता है, जिससे जल भराव और नुकसान की आशंका बढ़ गई है।

उन्होंने कहा कि पूर्व वर्षों में भी सुरक्षा दीवार नहीं होने के कारण नाले का पानी कई घरों में घुस गया था, जिससे स्थानीय लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने नगर निगम से वर्षाकाल शुरू होने से पहले बाढ़ सुरक्षा दीवार के शेष निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने की मांग की।

गीता भवन मंदिर में धूमधाम से मनाया गया राधा–कृष्ण आम प्रसाद महोत्सव

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : श्री गीता भवन मंदिर में राधा-कृष्ण आम प्रसाद महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान राधा-कृष्ण के विग्रह को विभिन्न प्रजातियों के करीब एक कुंतल आम का भोग अर्पित किया गया। मंदिर परिसर में आकर्षक आम की झांकी सजाई गई और भजन-कीर्तन के माध्यम से श्रद्धालुओं ने भगवान का गुणगान किया। मंदिर के पीठाधीश्वर रामप्रकाश शर्मा ने कहा कि आम केवल स्वादिष्ट फल ही नहीं, बल्कि भाईचारे, सौहार्द और मंगल का प्रतीक भी है। कहा कि भारतीय संस्कृति में आम का विशेष महत्व है। आम के मौसम में किसी के घर आम भेंट करना सम्मान का प्रतीक माना जाता है। मांगलिक अवसरों पर घरों में आम की पत्तियों की वंदनवार सजाई जाती है, पूजा के कलश पर आम के पत्ते लगाए जाते हैं और हवन में भी आम की लकड़ी का उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि आम सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है और इसके पत्तों का भी विशेष धार्मिक महत्व है। महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन समाज में एकता, भाईचारा और प्रेम की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने ऐसे आयोजनों को समय-समय पर आयोजित किए जाने की आवश्यकता बताई। महोत्सव में श्रद्धालुओं ने आम प्रसाद ग्रहण करने के साथ आध्यात्मिक चर्चा में भी भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी को भोजन प्रसादी वितरित की गई। इस अवसर पर सेवक मानुजा, भाजपा मंडल अध्यक्ष विकास दीप मित्तल, अजय गुप्ता, सुमित गोयल, रमेश कुमार सिंघल, विनय शर्मा, राजेश अग्रवाल, राजकुमार छाबड़ा, व्यापार संघ के जिलाध्यक्ष विवेक अग्रवाल, सुबोध अग्रवाल, रिंकू गर्ग, हरीश नारंग, अंजलि अग्रवाल, सुधा अग्रवाल, शशि शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

रोटरी क्लब को मिले सम्मान

श्रीनगर गढ़वाल : रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3080 की ओर से रुड़की में आयोजित सत्र 2025–26 के जिला सम्मान समारोह में रोटरी क्लब अलकनंदा वैली श्रीनगर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विभिन्न श्रेणियों में कई सम्मान प्राप्त किए। क्लब अध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार बिजलवाण को उत्कृष्ट नेतृत्व, समर्पण एवं क्लब के विकास में उल्लेखनीय योगदान के लिए स्टार प्रेसिडेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। वहीं क्लब सचिव रोटेरियन नवल किशोर जोशी को सक्रिय सहभागिता एवं उत्कृष्ट कार्यों के लिए बेस्ट सेक्रेटरी ऑफ द जोन (क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ सचिव) सम्मान प्रदान किया गया। साथ ही क्लब के वरिष्ठ सदस्य एवं रोटरी फाउंडेशन क्षेत्रीय समन्वयक एसपी काला को आउटस्टैंडिंग रोटेरियन अवॉर्ड मिला। स्व. विमला जुगरान स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता एवं स्व. नंददीप मल फुटबाल प्रतियोगिता के अंतर्गत आयोजित रायला गतिविधियों को भी जिला स्तर पर सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रमों में शामिल किया गया। (एजेंसी)

राम मंदिर और केदारनाथ धाम में चढ़ावा चोरी की निष्पक्ष जांच हो : धीरेंद्र प्रताप

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता धीरेंद्र प्रताप ने अयोध्या स्थित राम मंदिर और उत्तराखंड के केदारनाथ मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी की घटनाओं को गंभीर बताते हुए उनकी निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि इन मामलों की जांच सुप्रीम कोर्ट के किसी सिटिंग जज की अध्यक्षता में कराई जानी चाहिए। कोटद्वार में आयोजित पत्रकार वार्ता में धीरेंद्र प्रताप ने कहा कि गत वर्ष केदारनाथ मंदिर में सोने से जुड़े कथित घोटाले का मामला सामने आया था, लेकिन अब तक उसकी निष्पक्ष जांच पूरी नहीं हो सकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि अयोध्या के राम मंदिर में भी करोड़ों रूपये के चढ़ावे में कथित अनियमितताओं की बातें सामने आई हैं। उनका कहना था कि धार्मिक आस्था से जुड़े मामलों में पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मुद्दे को लेकर देशभर में अभियान चलाएगी। साथ ही उत्तराखंड की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है और महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में लगातार

वृद्धि हो रही है। प्रताप ने बताया कि भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के विरोध में कांग्रेस पार्टी 1 जुलाई से ह्यपरिवर्तन संकल्प सम्मेलनह्ण की शुरुआत करेगी। इसके तहत 1 जुलाई को यमकेश्वर विधानसभा और 2 जुलाई को लैंसडौन विधानसभा क्षेत्र में सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। पत्रकार वार्ता में जसबीर राणा, राजीव कपूर, धीरेंद्र बिष्ट, नत्थू सिंह अधिकारी, मानशेर सैनी, धर्मेंद्र रावत, सुदर्शन सिंह, कृपाल सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कूड़ा निस्तारण केंद्र अन्यत्र बनाने की मांग, मुख्य सचिव को सौंपा ज्ञापन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत कंचनपुरी (हल्दूखाता) में प्रस्तावित कूड़ा निस्तारण केंद्र को अन्यत्र शिफ्ट करने की मांग को लेकर बेरोजगार संघ के अध्यक्ष ने मुख्य सचिव को पत्र दिया। कहा कि जनता के हित को देखते हुए गंभीरता से कार्य किया जाना चाहिए।

बेरोजगार महासंघ के अध्यक्ष राम कंडवाल ने देहरादून में मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन से मुलाकात की। राम कंडवाल ने मुख्य सचिव को बताया कि प्रस्तावित कूड़ा निस्तारण केंद्र के समीप बोक्सा जनजाति महिला छात्रावास, एक कॉन्वेंट विद्यालय, राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज तथा कण्वाश्रम जाने वाला मुख्य मार्ग स्थित है। उनका कहना था कि इस स्थान पर कूड़ा निस्तारण केंद्र बनने से विद्यार्थियों, स्थानीय निवासियों और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि क्षेत्रवासी पिछले 40 दिनों से शांतिपूर्ण धरना देकर

देहरादून में मुख्य सचिव को पत्र देते बेरोजगार संघ के अध्यक्ष राम कंडवाल

परियोजना का विरोध कर रहे हैं, लेकिन अब तक नगर निगम प्रशासन की ओर से कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला है। उन्होंने जनहित, पर्यावरण संरक्षण और विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए कूड़ा निस्तारण केंद्र को कंचनपुरी से हटाकर किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थापित करने की मांग की। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने ज्ञापन का संज्ञान लेते हुए आश्वासन दिया कि इस विषय पर संबंधित विभागों के सचिवों के साथ शीघ्र बैठक कर सभी पहलुओं पर गंभीरता से विचार किया जाएगा तथा नियमानुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

पौड़ी एनएच पर सतपुली मल्ली क्षेत्र में कंट्रोल्ड ब्लास्टिंग शुरू

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पौड़ी नेशनल हाईवे पर गुमखाल से सतपुली के बीच चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य के चलते मंगलवार सायं से बुधवार सुबह तक 13 घंटे के लिए यातायात पूरी तरह बंद रहेगा। सतपुली मल्ली क्षेत्र में सड़क के ऊपरी हिस्से में लटके बड़े-बड़े बोल्डरों को हटाने के लिए कंट्रोल्ड ब्लास्टिंग शुरू हो गई है। प्रशासन ने यात्रियों को वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की सलाह दी है। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि यात्रा की योजना पहले से बनाएं, वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करें और कार्य के दौरान प्रशासन और कार्यदायी संस्था का सहयोग करें।

प्रशासन के अनुसार राजमार्ग के किमी. 188.500 (सतपुली मल्ली) पर चौड़ीकरण कार्य के बाद लगातार भू-धंसाव हो रहा है। इससे सड़क के ऊपर भारी बोल्डर असुरक्षित स्थिति में लटक गए हैं, जो कभी भी गिरकर दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। यात्रियों और वाहन चालकों की सुरक्षा को देखते हुए इन बोल्डरों को कंट्रोल्ड ब्लास्टिंग के माध्यम से हटाने का निर्णय लिया गया है। एनएच के एई खुशवंत सिंह ने बताया कि मंगलवार शाम से कंट्रोल्ड ब्लास्टिंग शुरू कर बोल्डर हटाने का काम शुरू कर दिया गया है। प्रशासन ने यात्रियों को वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की सलाह दी है। सतपुली की ओर आने वाले वाहन सतपुली-कांडाखाल-सिसल्डी-डेरियाखाल मोटर मार्ग से आवाजाही कर सकते हैं। वहीं, कोटद्वार से आने वाले वाहन दुगड्डा-फतेहपुर-डेरियाखाल-चुंडई-कांडाखाल-सतपुली मार्ग का उपयोग कर सकते हैं।

धनेश अध्यक्ष व अजय प्रकाश बनें सचिव

श्रीनगर गढ़वाल : रोटरी क्लब अलकनंदा वैली की बैठक में सत्र 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से चयन किया गया। नई कार्यकारिणी में धनेश उनियाल को क्लब का अध्यक्ष, अजय प्रकाश जोशी को सचिव तथा डॉ. प्रशांत पवार को कोषाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। इसके अतिरिक्त मनोज कंडवाल को क्लब वाइस प्रेसिडेंट, अर्जुन गोसांई को क्लब फाउंडेशन चेयर, डॉ. वरुण बर्त्वाल को क्लब मेंबरशिप चेयर, सीए वेदव्रत शर्मा को क्लब पब्लिक इमेज चेयर तथा डॉ. राहुल बहुगुणा को क्लब एग्जीक्यूटिव सेक्रेटरी की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर कॉलर-चेंज (पदभार हस्तांतरण) की औपचारिक प्रक्रिया भी की गई। पूर्व अध्यक्ष सुनील बिजल्वाण ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष धनेश उनियाल को अध्यक्ष पद का कॉलर पहनाकर पदभार सौंपा। वहीं पूर्व सचिव नवल किशोर जोशी ने नवनिर्वाचित सचिव अजय प्रकाश जोशी को सचिव पद का कॉलर पहनाया। बैठक में पूनम जोशी, बलदेव बिष्ट, सुनील बारगी, हितेन्द्र जोशी, प्रेमवल्लभ नैथानी, महताब पंवार, कृपाल सिंह पटवाल आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

पहाड़ की बेटी अंकिता ध्यानी ने एशियन गेम्स के लिए बनाई जगह

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जनपद पौड़ी के विकासखंड जयहरीखाल के दूरस्थ गांव मेरूड़ा की बेटी अंकिता ध्यानी ने जापान में आयोजित होने वाले 20वें एशियन गेम्स के लिए क्वालीफाई कर प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाया है। अंकिता ने 3000 मीटर स्टेपलचेज स्पर्धा में निर्धारित क्वालीफाइंग समय से बेहतर प्रदर्शन करते हुए एशियन गेम्स में अपना स्थान पक्का किया। एशियन गेम्स का आयोजन 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान में होगा।

किसान महिमामंद ध्यानी और लक्ष्मी देवी की पुत्री अंकिता ने सीमित संसाधनों और आर्थिक चुनौतियों के बावजूद अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। वर्तमान में वह 3000 मीटर स्टेपलचेज स्पर्धा में विश्व रैंकिंग में 1198 अंकों के साथ 42वें स्थान पर हैं। अंकिता वर्ष 2024 के पेरिस

ओलंपिक में भी 5000 मीटर दौड़ में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी है। इन दिनों भुवनेश्वर में आयोजित 65वीं नेशनल इंटर-स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिव में अंकिता ने 3000 मीटर स्टेपलचेज दौड़ 9 मिनट 44.05 सेकंड में पूरी की। एशियन गेम्स के लिए निर्धारित क्वालीफाइंग समय 9 मिनट 47.53 सेकंड था। अंकिता ने निर्धारित समय से बेहतर प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल कर एशियन गेम्स का टिकट पक्का किया। इस वर्ष 27 जून को आयोजित इसी चैंपियनशिव में उन्होंने 1500 मीटर दौड़ में रजत पदक भी जीता। इससे पहले मई में रांची में आयोजित 29वीं नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन प्रतियोगिता में अंकिता ने 3000 मीटर स्टेपलचेज में स्वर्ण और 1500 मीटर दौड़ में रजत पदक अपने नाम किया। इसके अलावा उन्होंने अमेरिका में आयोजित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है। अंकिता की इस उपलब्धि से पूरे जयहरीखाल क्षेत्र में खुशी का माहौल है। क्षेत्रवासियों ने उनकी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए एशियन गेम्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन की शुभकामनाएं दी हैं।

किडनी मरीजों को बड़ी राहत, चमोली में शुरू होगी डायलिसिस सेवा

जिला चिकित्सालय में जल्द शुरू होगी डायलिसिस सुविधा, 65 लाख स्वीकृत

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : चमोली जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत अब जिला चिकित्सालय, चमोली में जल्द ही डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध होगी। गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने सांसद निधि से डायलिसिस मशीन की स्थापना के लिए 65 लाख की धनराशि स्वीकृत की है, जिसमें से 50 लाख की प्रथम किस्त भी जारी कर दी गई है।

इस पहल के बाद जनपद के किडनी रोगियों को डायलिसिस उपचार के लिए देहरादून, श्रीनगर या अन्य बाहरी जिलों में जाने की आवश्यकता नहीं होगी। जिला चिकित्सालय में ही गुणवत्तापूर्ण डायलिसिस सुविधा उपलब्ध होने से मरीजों को समय, धन और अनावश्यक कठिनाइयों से राहत मिलेगी। मुख्य चिकित्साधीक्षक डॉ. अनुराग धनिक ने बताया कि सांसद निधि से प्राप्त धनराशि के आधार पर डायलिसिस मशीन की स्थापना की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। मशीन की खरीद एवं स्थापना के लिए आवश्यक टेंडर प्रक्रिया सहित सभी औपचारिकताएं शीघ्र पूरी की जाएंगी, ताकि जल्द से जल्द यह सुविधा जनपदवासियों को उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से मशीन के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक आधारभूत व्यवस्थाओं एवं अन्य जरूरी तैयारियों पर भी कार्य किया जा रहा है। सभी प्रक्रियाएं पूर्ण होते ही जिला चिकित्सालय में डायलिसिस सेवा प्रारंभ कर दी जाएगी। डायलिसिस सुविधा शुरू होने से चमोली सहित आसपास के क्षेत्रों के किडनी रोगियों को स्थानीय स्तर पर बेहतर उपचार उपलब्ध होगा तथा स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ एवं प्रभावी बनाने में यह पहल महत्वपूर्ण साबित होगी।

हाईवे पर बना हुआ दुर्घटना का खतरा

श्रीनगर गढ़वाल : नगर क्षेत्र में जगह-जगह हाईवे पर बने सीवर के चैंबर फिर धंसने लगे हैं। यह समस्या सबसे ज्यादा भक्तियाना में देखी जा रही है। पॉलिटेक्निक के सामने से लेकर एनआईटी तक कई स्थानों पर सीवर के चैंबर धंस गए हैं। इससे दुर्घटनाओं का खतरा भी बना हुआ है। सबसे ज्यादा दिक्कत इससे दोपहिया वाहनों के लिए बनी हुई है। रविंद्र प्रसाद, संजय सिंह आदि समय रहते इन चेंबरों को ठीक कराए जाने की मांग की है। (एजेंसी)

टिहरी कैंपस में संचालित होगें चार वर्षीय पाठ्यक्रम

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि के टिहरी कैंपस (बादशाही थौल परिसर) में इस सत्र 2026-27 से चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड पाठ्यक्रम (बीए बीएड और बीएससी बीएड) पाठ्यक्रम संचालित होगा। इसकी तैयारियां विवि ने पूरी कर ली हैं। परिसर में बीए बीएड व बीएससी बीएड के लिए 50-50 सीटें निर्धारित की गई हैं। एक दो दिन में प्रवेश पंजीकरण के लिए पोर्टल खोल दिया जाएगा। गढ़वाल केंद्रीय विवि के बिड़ला परिसर में पिछले तीन सत्रों से इंटीग्रेटेड बीएड पाठ्यक्रम के तहत बीए बीएड, बीएससी, बीएड व बीकॉम बीएड पाठ्यक्रम संचालित हो रहा है। छात्रों की मांग व संसाधनों की उपलब्धता को देखते हुए विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश के दिशा-निर्देशों पर नए सत्र से टिहरी बादशाहीथौल परिसर में भी बीए, बीएड और बीएससी बीएड पाठ्यक्रम को संचालित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए विवि स्तर से पूरी तैयारियां की गई हैं। टिहरी परिसर में भी इंटीग्रेटेड बीएड पाठ्यक्रम संचालित होने से छात्रों को इसका बड़ा लाभ मिलेगा। विवि के प्रो. वाईपी रैवानी ने बताया कि विवि के कुलपति के प्रयासों से टिहरी परिसर में नए बीएड पाठ्यक्रम को संचालित करने की मंजूरी मिली है।

संपादकीय

आपदाओं की अभ्यस्त देवभूमि

मानसून के साथ लौटता एक बार फिर से वही सवाल हमारे आगे खड़ा है। क्या उत्तराखंड तैयार है इस बार के मानसून के लिए? भौगोलिक परिस्थितियों बताती है कि उत्तराखंड में मानसून केवल एक मौसम नहीं, बल्कि एक परीक्षा है–प्रशासन की, विकास नीतियों की और हमारी सामूहिक तैयारी की। हर वर्ष बारिश के साथ नदियाँ उफान पर आती हैं, पहाड़ दरकते हैं, सड़कें टूटती हैं और कई गाँवों का संपर्क दुनिया से कट जाता है। इसके बावजूद मानसून के आगमन से पहले उठने वाला सबसे बड़ा प्रश्न आज भी वही है–क्या हम पिछली आपदाओं से कोई सबक सीख पाए हैं? उत्तराखंड ही नहीं बल्कि समूचा देश उसे त्रासदी को नहीं भूला है जब वर्ष 2013 में केदारनाथ में भयंकर जल प्रलय आई थी। हाल के वर्षों में जोशीमठ के भू–धंसाव और विभिन्न जिलों में भूस्खलन की घटनाओं ने स्पष्ट कर दिया है कि हिमालयी राज्य में विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए बिना सुरक्षित भविष्य की कल्पना नहीं की जा सकती। दुर्भाग्य से आपदा आने के बाद सक्रिय होने की प्रवृत्ति अभी भी हमारी व्यवस्था पर हावी दिखाई देती है। मानसून शुरू होने से पहले नालों की सफाई, संवेदनशील क्षेत्रों का सर्वेक्षण, पहाड़ी मार्गों की सुरक्षा, संचार नेटवर्क की मजबूती और राहत सामग्री का अग्रिम भंडारण जैसी तैयारियाँ केवल औपचारिकता नहीं होनी चाहिए। आपदा प्रबंधन का वास्तविक अर्थ संकट आने के बाद राहत बाँटना नहीं, बल्कि संकट को आपदा बनने से रोकना है। उत्तराखंड आपदा की दृष्टि से एक संवेदनशील प्रदेश है।उत्तराखंड में चुनौती केवल प्राकृतिक नहीं है। अनियोजित निर्माण, नदी तटों पर बढ़ता अतिक्रमण, पहाड़ों की अंधाधुंध कटाई और पर्यावरणीय मानकों की अनदेखी जोखिम को कई गुना बढ़ा देती है। जब प्रकृति चेतावनी देती है, तब उसका असर केवल मौसम तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह हमारी नीतियों की कमजोरियों को भी उजागर कर देता है। यह भी एक सत्यता है कि मानसून उत्तराखंड के लिए जीवनदायिनी शक्ति है। कृषि, पेयजल स्रोत, वन और पर्यटन सभी किसी न किसी रूप में वर्षा पर निर्भर हैं। इसलिए समाधान मानसून से डरने में नहीं, बल्कि उसके साथ सामंजस्य स्थापित करने में है। वैज्ञानिक योजना, स्थानीय समुदायों की भागीदारी और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील विकास मॉडल ही राज्य को सुरक्षित बना सकते हैं। भारत में मानसून फिर दस्तक दे चुका है। अब देखना यह है कि उत्तराखंड इसे केवल एक मौसमी घटना मानता है या फिर इसे अपनी तैयारियों और नीतियों की कसौटी के रूप में स्वीकार करता है। पहाड़ों की सुरक्षा केवल पहाड़ों का प्रश्न नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य का प्रश्न है। उत्तराखंड के पहाड़ों में रहने वाले लोगों की सहनशीलता एवं प्राकृतिक आपदाओं से लड़ने की चुनौती अतुलनीय है। हर मानसून में प्राकृतिक आपदा बहुत बड़ा नुकसान करती है लेकिन उत्तराखंड के लोगों ने इस आपदा के साथ जीना भी सीख लिया है लेकिन वह दर्द शायद कभी भुलाई नहीं जा सकेंगे जो इन आपदाओं में उनके अपनों के खोने के हैं।

मयार्दा के मंदिर में पारदर्शिता की घंटी कब बजेगी?

सोनम लववंशी

'राम' भारतीय मानस में केवल एक नाम नहीं, बल्कि मयार्दा का पर्याय हैं। इसलिए जब उनके नाम से जुड़ी किसी संस्था, ट्रस्ट या व्यवस्था पर वित्तीय अनियमितताओं, कथित गबन या अपारदर्शिता के आरोपों की चर्चा होती है, तब चोट केवल कानून को नहीं लगती है। यह घाव समाज की आत्मा पर पड़ता है। ईंट-पत्थर से बने मंदिरों की मरम्मत संभव है, लेकिन टूटे हुए विश्वास का पुनर्निर्माण सबसे कठिन कार्य है। इतना ही नहीं विडंबना यह है कि इस देश में धर्म की रक्षा के नाम पर अक्सर धर्म के मूल तत्व सत्य, ईमानदारी और उत्तरदायित्व को ही सबसे पहले किनारे रख दिया जाता है। प्रश्न पूछने वाले को संदेह की निगाह से देखा जाता है, जबकि हिसाब देने वाले से कोई प्रश्न नहीं किया जाता। मानो श्रद्धा का अर्थ विवेक का परित्याग हो। यह वही समाज है जो दान-पात्र में नोट डालते समय आँखें बंद कर लेता है और बाद में खुलासों पर आँखें मलता रह जाता है।

कबीर ने लिखा था कि, 'राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट।' उनका आशय भक्ति की उस अमूल्य संपदा से था जिसे हर कोई बिना मूल्य प्राप्त कर सकता है। लेकिन समय ने इस पंक्ति का ऐसा विडंबनापूर्ण रूप गढ़ दिया है कि अब कई बार यह प्रश्न उठने लगता है। क्या कहीं 'राम' साधना का नहीं, साधन का नाम बनते जा रहे हैं? क्या आस्था की छाया में जवाबदेही का सूर्य अस्त हो जाता है? ऐसे में यदि राम मंदिर या उससे जुड़े किसी ट्रस्ट के संदर्भ में वित्तीय गड़बड़ियों या कथित गबन की बातें सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनती हैं, तो सबसे पहली अपेक्षा निष्पक्ष जांच और पूर्ण पारदर्शिता की होनी चाहिए। जो संस्था स्वयं को नैतिक आदर्शों का प्रतिनिधि मानती है, उसे सामान्य संस्थाओं से कहीं अधिक कठोर सार्वजनिक परीक्षण स्वीकार करना चाहिए। यदि सब कुछ सही है तो जांच से प्रतिष्ठा बढ़ेगी; यदि नहीं, तो सुधार का मार्ग खुलेगा। दोनों ही स्थितियों में सत्य का लाभ होगा। सबसे बड़ा व्यंग्य यह है कि भगवान राम ने राजपाट त्यागकर मयार्दा बचाई थी, लेकिन आज कहीं-कहीं मयार्दा को त्यागकर प्रतिष्ठान बचाने की बेचैनी दिखाई देती है। राम ने न्याय के लिए अपने निजी सुखों का बलिदान दिया था, जबकि आधुनिक समय में कुछ लोग न्याय से बचने के लिए राम के नाम का सहारा खोजते दिखाई देते हैं। यह विरोधाभास केवल हास्यास्पद नहीं, गहरी नैतिक विफलता का संकेत है।

समाज का एक हिस्सा हर आरोप को बिना जांच अंतिम सत्य मान लेता है और दूसरा हर आरोप को बिना जांच षड्यंत्र कहकर खारिज कर देता है। दोनों प्रवृत्तियाँ लोकतांत्रिक चेतना को कमजोर करती हैं। न अंधविश्वास स्वस्थ है, न अंध-अविश्वास। आवश्यकता तथ्यों, स्वतंत्र जांच और सार्वजनिक जवाबदेही की है। कानून और नैतिकता दोनों का सम्मान तभी संभव है जब भावनाएँ प्रमाणों का स्थान न ले लें। आज हमारी सबसे बड़ी समस्या भ्रष्टाचार से भी अधिक चयनात्मक नैतिकता है। यदि आरोप किसी विरोधी पर हों तो हम न्याय की माँग करते हैं, और यदि वही प्रश्न अपने प्रिय पक्ष पर उठे तो उसे आस्था पर हमला घोषित कर देते हैं। सिद्धांतों का मूल्य तभी है जब वे व्यक्ति, दल, विचारधारा और संस्था से ऊपर खड़े रह सकें। अन्यथा नैतिकता केवल भाषणों की सजावट बनकर रह जाती है।

राम का नाम किसी आर्थिक लेन-देन की ढाल नहीं बन सकता। वह तो स्वयं सत्य की कसौटी है। यदि किसी ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं के विश्वास और दान का दुरुपयोग किया हो, तो वह केवल वित्तीय अपराध नहीं बल्कि नैतिक विश्वासघात भी होगा। और यदि आरोप असत्य हों, तो उन्हें तथ्यों और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से खारिज किया जाना चाहिए, न कि भावनात्मक नारों के सहारे। यह भी विचारणीय है कि मंदिर की भव्यता केवल शिखर की ऊँचाई से नहीं मापी जाती। उसकी वास्तविक ऊँचाई उसके लेखे-जोखे की ईमानदारी, प्रशासन की पारदर्शिता और प्रबंधन की जवाबदेही से तय होती है। संगमरमर की चमक उस समय फीकी पड़ जाती है जब हिसाब की किताब धुंधली दिखाई देने लगे। राम भारतीय संस्कृति में इसलिए पूजनीय नहीं हैं कि वे शक्तिशाली थे, बल्कि इसलिए कि उन्होंने शक्ति पर मयार्दा को वरीयता दी। यदि आज उनके नाम पर बनी किसी भी व्यवस्था में मयार्दा की जगह अपारदर्शिता, सत्य की जगह प्रचार और जवाबदेही की जगह मौन ले ले, तो सबसे बड़ा अपमान राम का नहीं होगा। सबसे बड़ा अपमान उन मूल्यों का होगा जिनके कारण राम युगों-युगों तक आदर्श बने रहे। समय की माँग स्पष्ट है: श्रद्धा बनी रहे, किंतु उसके साथ साहस भी जुड़ा रहे; मंदिर खड़े रहें, लेकिन उनके साथ सत्य भी खड़ा रहे; दान आता रहे और उसके साथ सार्वजनिक लेखा-परीक्षा भी चलती रहे। क्योंकि अंततः राम की सबसे बड़ी पूजा दीप जलाने में नहीं, सार्वजनिक जीवन को मयार्दा, ईमानदारी और सत्य के प्रकाश से आलोकित करने में है।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस - सफेद कोट में बसती है उम्मीद की सबसे बड़ी ताकत

योगेश कुमार गोयल

मानवता के सबसे बड़े जीवन-रक्षक को नमन...

चिकित्सकों के समाज के प्रति समर्पण एवं प्रतिबद्धता के लिए कृतज्ञता और आभार व्यक्त करने तथा मेडिकल छात्रों को प्रेरित करने के लिए प्रतिवर्ष एक जुलाई को 'राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस' मनाया जाता है। इस साल राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस 'मुखौटे के पीछे: चिकित्सकों का उपचार कौन करता है?' (Behind the Mask: Who Heals the Healers?) विषय के साथ मनाया जा रहा है। यह विषय डॉक्टरों की भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक भलाई को स्वीकार करने और उसका समर्थन करने की आवश्यकता पर बल देता है, यह स्वीकार करते हुए कि उन्हें भी देखभाल और समर्थन की आवश्यकता है जबकि वे अपना जीवन दूसरों की देखभाल के लिए समर्पित करते हैं। वैसे चिकित्सक दिवस मनाने का मूल उद्देश्य चिकित्सकों की बहुमूल्य सेवा, भूमिका और महत्व के संबंध में आमजन को जागरूक करना, चिकित्सकों का सम्मान करना और साथ ही चिकित्सकों को भी उनके पेशे के प्रति जागरूक करना है। दरअसल कुछ चिकित्सक ऐसे भी देखे जाते हैं, जो अपने इस सम्मानित पेशे के प्रति ईमानदार नहीं होते लेकिन ऐसे चिकित्सकों की भी कमी नहीं, जिनमें अपने पेशे के प्रति समर्पण की कमी नहीं होती। बिना चिकित्सा व्यवस्था के इंसान की जिंदगी कैसी होती, इसकी कल्पना मात्र से ही रोम-रोम सिहर जाता है। यही कारण है कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में चिकित्सकों का महत्व सदा से रहा है और हमेशा रहेगा।

भारतीय समाज में चिकित्सकों को भगवान के समान दर्जा दिया गया है। हालांकि यह अलग बात है कि निजी अस्पतालों में डॉक्टरों और अन्य स्टाफ की भूमिका पर अक्सर सवाल उठते रहे हैं लेकिन यह भी सच है कि चिकित्सक लोगों को विभिन्न प्रकार की घातक बीमारियों से निजात दिलाने में पूरी ताकत लगा देते हैं। भारत में चिकित्सक दिवस की स्थापना वर्ष 1991 में हुई थी। पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री और जाने-माने चिकित्सक डा. बिधान चंद्र रॉय के सम्मान में चिकित्सकों की उपलब्धियों तथा चिकित्सा क्षेत्र में नए आयाम हासिल करने वाले डॉक्टरों के सम्मान के लिए इसका आयोजन होता है। वे एक जाने-माने चिकित्सक, प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और वर्ष 1948 से 1962 में जीवन के अंतिम क्षणों तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने पश्चिम बंगाल में दुर्गापुर, बिधाननगर, अशोकनगर, कल्याणी तथा हबरा नामक पांच शहरों की स्थापना की थी। संभवतः इसीलिए उन्हें पश्चिम बंगाल का महान वास्तुकार भी कहा जाता है। कलकत्ता विश्वविद्यालय से मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने वर्ष 1911 में एमआरसीपी और एफआरसीएस की डिग्री लंदन से ली। उन्होंने एक साथ फिजिशयन और सर्जन की रॉयल कॉलेज की सदस्यता हासिल कर हर किसी को अपनी प्रतिभा से हतप्रभ कर दिया था। वर्ष 1911 में भारत में ही एक चिकित्सक के रूप में उन्होंने अपने चिकित्सा कैरियर की शुरूआत की। वे कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में शिक्षक नियुक्त हुए। वर्ष 1922 में वे कलकत्ता मेडिकल जनरल के सम्पादक और बोर्ड के सदस्य बने। 1926 में उन्होंने अपना पहला राजनीतिक भाषण दिया और 1928 में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के सदस्य भी चुने गए। डा. बिधान चंद्र रॉय ने 1928 में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के गठन और भारत की मेडिकल काउंसिल (एमसीआई) की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कई बड़े-बड़े पदों पर रहने के बाद भी वे प्रतिदिन गरीब मरीजों का मुफ्त इलाज किया करते थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् उन्होंने अपना समस्त जीवन चिकित्सा सेवा को समर्पित कर दिया। बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाओं को आम जनता की पहुंच के भीतर लाने के लिए वे जीवन पर्यन्त प्रयासरत रहे। 4 फरवरी 1961 को उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। 1967 में दिल्ली में उनके सम्मान में डा. बी.सी. रॉय स्मारक पुस्तकालय की स्थापना हुई और 1976 में उनकी स्मृति में केन्द्र सरकार द्वारा डा. बी.सी. रॉय राष्ट्रीय पुरस्कार की स्थापना की गई। संयोगवश डा. रॉय का जन्म और मृत्यु एक जुलाई को ही हुई थी। उनका जन्म 1 जुलाई 1882 को पटना में हुआ था और मृत्यु 1 जुलाई 1962 को हृदयाघात से कोलकाता में हुई थी।

भारत के अलावा दूसरे देशों में भी चिकित्सकों के सम्मान में ऐसे ही दिवस मनाए जाते हैं किन्तु वहां उनका आयोजन अलग-अलग तारीखों में होता है। वैसे चिकित्सक दिवस की शुरूआत सबसे पहले अमेरिका के जॉर्जिया में हुई थी। वहां चिकित्सकों के सम्मान के लिए एक दिन निश्चित करने का सुझाव जॉर्जिया निवासी डा. चार्ल्स बी एलमंड की पत्नी यूडोरा ब्राउन एलमंड ने 30 मार्च 1933 को दिया था। 30 मार्च 1958 को यूएस के हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स ने उनके उस सुझाव को स्वीकार करते हुए यह दिवस मनाना शुरू किया। वहां इसके लिए 30 मार्च की तारीख इसलिए रखी गई क्योंकि जॉर्जिया में इसी दिन डा. क्राफोर्ड डब्ल्यू लोंग ने पहली बार ऑपरेशन के लिए एनेस्थीसिया का उपयोग किया था। जहां अमेरिका में 30 मार्च को चिकित्सक दिवस मनाया जाता है, वहीं वियतनाम में इसकी स्थापना 28 फरवरी 1955 को हुई थी और वहां तभी से 28 फरवरी को या उसके आसपास वाले किसी दिन यह दिवस मनाया जाता है। ब्राजील में महान चिकित्सक रहे कैथोलिक चर्च के सेंट ल्यूक के जन्मदिवस के अवसर पर 18 अक्तूबर को जबकि क्यूबा में पीले बुखार पर शोध करने वाले चिकित्सक कार्लोस जुआन फिनले के जन्मदिवस 3 दिसम्बर को यह दिवस मनाया जाता है। नेपाल में यह दिवस नेपाल मेडिकल एसोसिएशन की स्थापना के बाद 4 मार्च को तथा ईरान में महान चिकित्सक एविसेना के जन्मदिवस के अवसर पर 23 अगस्त को मनाया जाता है।

बहरहाल, चूंकि चिकित्सकों को पृथ्वी पर भगवान का रूप माना गया है, इसलिए समाज की भी उनसे यही अपेक्षा रहती है कि वे अपना कर्त्तव्य ईमानदारी और पूरी निष्ठा के साथ निभाएं। हालांकि निजी अस्पतालों के कुछ चिकित्सकों पर मरीजों और उनके परिजनों के साथ लापरवाही और लूट के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। दरअसल निजी चिकित्सा तंत्र मुनाफाखोरी के व्यवसाय में परिवर्तित हो चुका है लेकिन फिर भी इस दीगर सच को भी नकारा नहीं जा सकता कि कोरोना हो या कैंसर, हृदय रोग, एड्स, मधुमेह इत्यादि कोई भी बीमारी, छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी बीमारियों से चिकित्सक ही करोड़ों लोगों को उबारते हैं। चूंकि चिकित्सक प्रायः मरीज को मौत के मुंह से भी बचाकर ले आते हैं, इसीलिए चिकित्सकों को भगवान का रूप माना जाता रहा है। चिकित्सा केवल पैसा कमाने के लिए एक पेशा मात्र नहीं है बल्कि समाज के कल्याण और उत्थान का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। इसीलिए चिकित्सक को सदैव सम्मान की नजर से देखने वाले समाज के प्रति उनसे भी समर्पण की उम्मीद की जाती है।

क्या हम विकास और विनाश के बीच संतुलन साध पाएंगे?

ललित गर्ग

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं।

वेनेजुएला में हाल में आए भीषण भूकम्प ने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों की संख्या समय के साथ बदलती रही हो, लेकिन त्रासदी की भयावहता निर्विवाद है। हजारों परिवार अपने प्रियजनों को खोने की असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे प्रत्येक अवसर पर पूरी दुनिया संवेदना व्यक्त करती है, राहत सामग्री भेजती है, सहायता अभियान चलाती है, लेकिन एक प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़ा हो जाता है-क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और शोक के बाद सब कुछ भुलाकर पुनः उसी लापरवाह विकास-यात्रा एवं प्रकृति की घोर उपेक्षा पर निकल पड़ते हैं? प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं, पहाड़ दरकते हैं या समुद्र विकराल रूप धारण कर लेता है, तब विकास के बड़े-बड़े दावे, ऊंची-ऊंची इमारतें और तकनीकी उपलब्धियों का अहंकार कुछ ही क्षणों में धराशायी हो जाता है। ऐसे समय में किसी देश की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि उसकी पूर्व तैयारी, संवेदनशील शासन व्यवस्था और जागरूक नागरिक होते हैं।

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। विज्ञान इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे प्रारंभिक चेतावनी तंत्र अधिक सटीक, अधिक तेज और अधिक व्यापक बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। भारत के लिए यह विषय केवल एक अंतरराष्ट्रीय समाचार नहीं है। हमारा देश स्वयं भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, चक्रवात और सुनामी जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं का दंश झेलता रहा है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2023 की जोशीमठ भू-धंसाव की घटनाएं तथा हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी हमारी स्मृतियों में जीवित हैं। इन सभी घटनाओं का एक ही संदेश है-प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता।

वैज्ञानिक आज भी यह निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि किस दिन, किस समय और किस स्थान पर भूकम्प आएगा, लेकिन वे वर्षों से यह चेतावनी अवश्य देते रहे हैं कि भारत का लगभग साठ प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। हिमालयी क्षेत्र, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर-पूर्व, गुजरात और अनेक अन्य क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि भूकम्प की सटीक भविष्यवाणी संभव नहीं है, तो भी पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है। दुर्भाग्य यह है कि हम तैयारी की अपेक्षा आपदा के बाद राहत और पुनर्वास पर अधिक ध्यान देते हैं। आज देश के लगभग हर शहर में कंक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन, गगनचुंबी टावर और स्मार्ट सिटी विकास की नई पहचान बन चुके हैं। मुंबई, गुरुग्राम, नोएडा, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और अब जयपुर जैसे शहर भी ऊंची-ऊंची इमारतों की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इन भवनों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा का सामना करने के लिए भी?

किसी भी भवन की वास्तविक परीक्षा तब होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके, तभी उसे वास्तविक विकास का प्रतीक माना जाना चाहिए। केवल ऊंचाई, चमक-दमक और आधुनिक सुविधाएं किसी भवन को सुरक्षित नहीं बनातीं। भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने स्पष्ट दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं, बल्कि उनके अनुपालन की है। क्या प्रत्येक बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुरूप निर्मित हो रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन प्रश्नों का उत्तर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, तो चिंता स्वाभाविक है।

निर्माण क्षेत्र में बढ़ती अनियमितताओं और भ्रष्टाचार ने स्थिति को और गंभीर बनाया है। अनेक बार भू-माफिया, बिल्डर लॉबी और लाभ-लोलुप तत्व पर्यावरणीय नियमों की अवहेलना करते हुए हरित क्षेत्रों, जलाशयों, नदी तटों और भू-संवेदनशील क्षेत्रों तक में निर्माण कर देते हैं। बाद में यही निर्माण किसी त्रासदी का कारण बनते हैं। नोएडा में अवैध रूप से निर्मित सुपरटेक ट्विन टावरों को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर ध्वस्त किया जाना इस बात का प्रतीक है कि किस प्रकार नियमों की अनदेखी कर निर्माण कार्य किए जाते रहे हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि कोई निर्माण अवैध था, तो उसे बनने की अनुमति किसने दी? निर्माण पूरा होने तक प्रशासन मौन क्यों रहा? क्या विकास के नाम पर कुछ लोगों के आर्थिक लाभ के लिए लाखों नागरिकों के जीवन को जोखिम में डाला जा सकता है? यह केवल कानूनी प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिक प्रश्न भी है। शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर निगमों, नगर विकास न्यासों तथा भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की जिम्मेदारी केवल नक्शों पर हस्ताक्षर करने तक सीमित नहीं हो सकती। प्रत्येक निर्माण की तकनीकी, पर्यावरणीय और संरचनात्मक जांच अत्यंत कठोरता से की जानी चाहिए। सुरक्षा मानकों का पालन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा का दायित्व है।

एक अन्य गंभीर चिंता जलवायु परिवर्तन और प्रकृति के साथ बढ़ती छेड़छाड़ की है। पहाड़ों को काटकर सड़कें बनाना, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करना, जंगलों का अंधाधुंध विनाश, अतिक्रमण, खनन और अनियोजित शहरीकरण ने प्रकृति के संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप भूस्खलन, अचानक बाढ़, शहरी जलभराव और जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ रही हैं। हिमालयी क्षेत्रों में बार-बार आने वाली त्रासदियां हमें चेतावनी दे रही हैं कि विकास का मॉडल प्रकृति-विरोधी नहीं, बल्कि प्रकृति-संगत होना चाहिए। यह मान लेना भी खतरनाक है कि जिस क्षेत्र में पहले कभी बड़ा भूकम्प नहीं आया, वहां भविष्य में भी खतरा नहीं होगा। धरती के भीतर क्या हलचल चल रही है, इसका पूरा रहस्य आज भी मानव नहीं जान पाया है। इसलिए केवल पुराने अनुभवों के आधार पर किसी क्षेत्र को पूर्णतः सुरक्षित मान लेना आत्मघाती हो सकता है। आज भवन निर्माण केवल भूकम्प को ध्यान में रखकर नहीं किया जा सकता। अत्यधिक वर्षा, शहरी बाढ़, तेज हवाएं, तापमान में वृद्धि और अन्य प्राकृतिक चुनौतियों को भी नगर नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। भविष्य के शहरों को बहुस्तरीय सुरक्षा की अवधारणा के आधार पर विकसित करना समय की मांग है। आपदा आने के बाद राहत और पुनर्वास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने की अपेक्षा पहले से सुरक्षा पर निवेश करना कहीं अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण और मानवीय दृष्टिकोण है। सिर्फ सरकारों की जिम्मेदारी पर्याप्त नहीं है। नागरिकों को भी आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक होना होगा। विद्यालयों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में नियमित मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। आधुनिक चेतावनी प्रणालियों को गांवों तक पहुंचाया जाना चाहिए।

प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाली तबाही को काफी हद तक कम अवश्य किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक तकनीक, मजबूत निर्माण मानक, कठोर निगरानी, पारदर्शी प्रशासन और जागरूक नागरिकों का समन्वित प्रयास आवश्यक है। प्रकृति कभी यह नहीं पूछती कि इमारत कितनी महंगी है, किस बिल्डर ने बनाई है या वह किस शहर में खड़ी है। वह केवल उसकी मजबूती और मानव की दूरदर्शिता की परीक्षा लेती है। वेनेजुएला का भूकम्प एक चेतावनी है-विकास की परिभाषा बदलने की। विकसित राष्ट्र वह नहीं होगा जिसके पास सबसे ऊंची इमारतें हों, बल्कि वह होगा जिसके पास सबसे सुरक्षित इमारतें, सबसे जिम्मेदार नगर नियोजन, सबसे संवेदनशील शासन और सबसे सजग नागरिक हों। क्योंकि आपदा आने के बाद राहत देना व्यवस्था की मजबूरी होती है, लेकिन आपदा आने से पहले तैयारी करना एक दूरदर्शी राष्ट्र की संस्कृति और जिम्मेदार शासन की पहचान है।

संक्षिप्त समाचार

युद्धविराम उल्लंघन पर ईयू की चिंता, पाकिस्तान से कहा– बातचीत के रास्ते खुले रखें

ब्रुसेल्स, एजेंसी। यूरोपीय संघ (ईयू) की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलास ने रविवार को पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार से फोन पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अमेरिका और ईरान के बीच हाल में हुए युद्धविराम उल्लंघन पर गंभीर चिंता जताई। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की तेजी से बदलती स्थिति पर चर्चा की। कैलास ने इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन (एमओयू) तक पहुंचाने में पाकिस्तान की कूटनीतिक भूमिका की सराहना की, लेकिन कहा कि सभी पक्षों को युद्धविराम का पालन करना चाहिए और संवाद के रास्ते खुले रखने जरूरी हैं। इशाक डार ने कहा कि पाकिस्तान पश्चिम एशिया में स्थायी शांति और स्थिरता के लिए लगातार कूटनीतिक प्रयास कर रहा है। उन्होंने भी सभी पक्षों से युद्धविराम समझौते का सम्मान करने की अपील की। दोनों नेताओं ने भविष्य में भी संपर्क बनाए रखने पर सहमति जताई। अमेरिका और ईरान ने 18 जून को शांति बहाली के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

इराक में भ्रष्टाचार के आरोप में 5 सांसदों समेत सात गिरफ्तार

बगदाद, एजेंसी। इराक में पांच सांसदों समेत सात लोगों को भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। ये गिरफ्तारियां तेल मंत्रालय के पूर्व उप मंत्री अदनान अल जुमैली के बयान के आधार पर की गईं, जिन्हें पिछले महीने गिरफ्तार किया गया था। ग इराकी न्यूज के मुताबिक, सुरक्षा बलों ने रविवार तड़के राजधानी के कड़ी सुरक्षा वाले ग्रीन जोन के सभी प्रवेश द्वारों को सील किया और उस परिसर के भीतर छापे मारे, जहां प्रमुख सरकारी संस्थान और विदेशी दूतावास स्थित हैं।

सोशल मीडिया पर अंकुश के लिए अमेरिका में उठी आवाज

वाशिंगटन, एजेंसी। सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से बच्चों को बचाने के लिए अमेरिका में इससे जुड़े कानूनों में सुधार की मांग की जा रही है। यहां कई पीड़ितों के परिजनों ने एकजुट होकर बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा के लिए मुहिम शुरू की है। उनके प्रयासों से देश के कई हिस्सों में ऐसे बच्चों की याद में स्मृति दिवस भी मनाया गया, जो सोशल मीडिया के कारण अपनी जान गंवा चुके हैं। यह आंदोलन धीरे–धीरे टेक कंपनियों की जवाबदेही तय करने की बड़ी ताकत बनता जा रहा है।

सिंगापुर : श्रमिकों को एआई तकनीक सिखाएंगे आईआईटी के पूर्व छात्र

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में रहने वाले प्रवासी श्रमिकों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक नई पहल शुरू हुई है। इसके तहत आईआईटी के पूर्व छात्र सिंगापुर में प्रवासी श्रमिकों को एआई तकनीक सिखाएंगे। आईआईटी एल्युमनी एसोसिएशन ने अगले दो वर्षों में लगभग 1,000 प्रवासी श्रमिकों को एआई और डिजिटल साक्षरता का प्रशिक्षण देने का कार्यक्रम शुरू किया है। इस उद्देश्य के लिए रविवार को आईआईटी एल्युमनी एसोसिएशन ने माइग्रेंट वर्कर्स सेंटर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। भारतीय उच्चायोग की सक्रिय मदद से यह साझेदारी की गई है। प्रशिक्षण सत्र महीने में दो बार जुरोंग औद्योगिक क्षेत्र के एमडब्ल्यूसी रिक्रिएशन क्लब में आयोजित किए जाएंगे। इसकी शुरुआत अगस्त 2026 से होगी। इस पाठ्यक्रम में डिजिटल साक्षरता और एआई जैसी उभरती तकनीकों को शामिल किया गया है।

हैती और सीरिया के नागरिकों का टीपीएस खत्म करने के ट्रंप के फैसले से रिपब्लिकन पार्टी में मतभेद

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हैती और सीरिया के हजारों प्रवासियों का टेम्परेरी प्रोटेक्टेड स्टेटस (टीपीएस) समाप्त करने के फैसले को लेकर रिपब्लिकन पार्टी में मतभेद उभरकर सामने आए हैं। जहां होमलैंड सिक्योरिटी सचिव मार्कवेन मुलिन ने इस फैसले का समर्थन किया, वहीं ओहायो के गवर्नर माइक डिवाइन ने इसे 'गलत फैसला' करार दिया। रविवार को अलग–अलग टीवी कार्यक्रमों में बातचीत के दौरान मार्कवेन मुलिन ने कहा कि टीपीएस कभी भी स्थायी व्यवस्था नहीं थी और इसका उद्देश्य केवल सीमित समय के लिए सुरक्षा प्रदान करना था। उन्होंने कहा, 'टेम्परेरी प्रोटेक्टेड स्टेटस का मकसद कभी स्थायी नहीं था। लाभार्थियों के पास कई विकल्प हैं। वे स्थायी निवास या अस्थायी वीजा के लिए आवेदन कर सकते हैं या फिर अपने देश लौट सकते हैं। यदि वे वापस जाना चाहते हैं तो सरकार उनकी मदद करेगी।' मुलिन ने कहा कि स्वदेश लौटने वाले प्रवासियों को सरकार हवाई टिकट के साथ लगभग 2,100 डॉलर की आर्थिक सहायता भी देगी, ताकि वे अपने देश में दोबारा जीवन शुरू कर सकें।

पाकिस्तान का अफगानिस्तान बॉर्डर पर हवाई हमला, 29 लोगों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने रविवार को अफगानिस्तान से लगी अपनी सीमा पर हवाई हमले किए, जिसमें 29 लोग मारे गए. डॉन ने यह जानकारी दी. पाकिस्तान के इन्फॉर्मेशन मिनिस्टर अत्ताउल्लाह तरार ने रविवार रात कहा कि पाकिस्तान की सिक्योरिटी फोर्स ने पाकिस्तान-अफगान बॉर्डर पर एक अच्छी तरह से प्लान किया हुआ इंटेलिजेंस बेस्ड ग्राउंड ऑपरेशन किया और बॉर्डर इलाके में हमले किए.

मंत्री ने कहा कि यह कार्रवाई पाकिस्तान के अंदर खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान और पाकिस्तान रेंजर्स (सिंध) कैंप, कराची के मासूम लोगों के खिलाफ हाल ही में हुई कई आतंकवादी घटनाओं के बाद की गई. सिंध पुलिस चीफ ने डॉन को बताया कि शनिवार रात कराची के गुलिस्तान-ए-जौहर इलाके में पाकिस्तान सिंध रेंजर्स के प्रांतीय हेडक्वार्टर पर हुए हमले में तीन पाकिस्तानी पैरामिलिट्री के जवान और तीन आतंकवादी मारे गए.

सिंध के इंस्पेक्टर जनरल जावेद आलम ओधो ने कहा कि आतंकवादियों ने अपनी गाड़ी से मेन गेट में टक्कर मारी थी और शुरू में वे यह कन्फर्म नहीं कर पाए कि कोई ब्लास्ट भी हुआ था या नहीं. डॉन के मुताबिक ओधो ने आगे कहा कि एक सफाई अभियान चल रहा था और इलाके को स्पेशल सिक्योरिटी यूनिट के कमांडो, एंटी-टेररिस्ट फोर्स (ञ्जस्न) और रेंजर्स के जवानों ने सील कर दिया था. पुलिस सर्जन सुम्मैया सैयद ने डॉन को बताया कि एक घायल पैरामिलिट्री जवान को पैर में गोली लगने के बाद अस्पताल लाया गया था.

इससे पहले डॉन के मुताबिक इलाके में भारी फायरिंग और धमाके की खबर मिलने के बाद पुलिस वाले घटनास्थल पर पहुंचे. पुलिस ने पूरे इलाके को भी सील कर दिया था. रेस्क्यू 1122 सिंध ने कहा कि उसे गुलिस्तान-ए-जौहर ब्लॉक 5 के पास धमाके की खबर मिली थी. उसने तुरंत अपने सेंट्रल कमांड और कंट्रोल सेंटर से टीमों को मौके पर भेज दिया. अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक जमात-उल-अहरार से जुड़े एक ग्रुप ने शनिवार देर रात हमले की जिम्मेदारी ली. यह ग्रुप तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान का एक अलग हथियारबंद ग्रुप है, जिसे पाकिस्तानी तालिबान के नाम से भी जाना जाता है. ग्रुप ने कहा कि हमले में नौ हमलावर शामिल थे. अल जजीरा के मुताबिक यह ऐसे समय में हुआ है जब पूरे देश में पाकिस्तान के सुरक्षा बलों को निशाना बनाया जा रहा है.

बाजौर में 4, अफगानिस्तान में 25 आतंकी मारे : अताउल्लाह तरार ने बताया कि खुफिया जानकारी मिलने पर बाजौर जिले में ऑपरेशन शुरू किया गया। इसमें खान फरोश समेत चार आतंकी मारे गए। खैबर पख्तूनख्वा का बाजौर, अफगानिस्तान से लगा जिला है। इसके बाद अफगानिस्तान के पक्तिया, पक्तिका और कुनार प्रांतों में तीन अलग-अलग ठिकानों पर हमले किए गए। वहां 25 आतंकी मारे गए। इन ठिकानों पर रखा हथियार और गोला-बारूद भी नष्ट कर दिया गया।

पाकिस्तान बोला- नागरिकों की सुरक्षा से समझौता नहीं करेंगे : तरार ने कहा कि पाकिस्तान क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने की कोशिश करता रहा है, लेकिन अपने नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। पाकिस्तान पिछले साल से अफगान सीमा और उसके भीतर कई बार हमले कर चुका है। उसका कहना है ये हमले टीटीपी और दूसरे आतंकी संगठनों के ठिकाने किए गए हैं। पाकिस्तान लंबे समय से आरोप लगाता रहा है कि अफगानिस्तान की तालिबान सरकार टीटीपी के आतंकियों को पनाह देती है।

खुफिया जानकारी पर आधारित था ऑपरेशन : पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने स्थानीय मीडिया 'डॉन न्यूज' के हवाले से पुष्टि की है कि यह हमला पूरी तरह से सुनियोजित और खुफिया जानकारी पर आधारित था। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने सीमावर्ती इलाकों में उन ठिकानों को निशाना बनाया, जहां से पाकिस्तान विरोधी गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। यह ऑपरेशन रविवार की देर रात शुरू हुआ और इसने सीमा के दोनों तरफ हड़कंप मचा दिया है। सूचना मंत्री तरार के अनुसार, यह सख्त कार्रवाई हाल के दिनों में पाकिस्तान के विभिन्न हिस्सों में हुई आतंकी घटनाओं के मद्देनजर की गई है। हाल ही में खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान और कराची जैसे शहरों में निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाया गया था। पाकिस्तान ने आरोप लगाया है कि इन हमलों की साजिश सीमा पार से रची जा रही थी, जिसके बाद सरकार ने जवाबी कार्रवाई का फैसला लिया।

गैस संकट से जूझ रहा पाकिस्तान, अब ईरान से है बड़ी उम्मीद

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान पिछले कुछ वक्त से गैस की समस्या से जूझ रहा है। पाकिस्तान के अर्थशास्त्री महमूद रसूल ने कहाकि वहां के अधिकांश हिस्सों में इस समय गैस की गंभीर कमी है। उन्होंने आगे कहाकि सरकार संकट के कारण खासकर पंजाब में उपभोक्ताओं को दिन में कुछ घंटे के लिए गैस दे रही है। इस समस्या से निबटने के लिए पाकिस्तान की नजरें अब ईरान की तरफ लगी हुई हैं। गौरतलब है कि पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान युद्ध रुकवाने में अहम भूमिका निभाई। अब वह शांति समझौते का फायदा उठाने की तैयारी में है।

गौरतलब है कि अमेरिका ने अस्थायी तौर पर प्रतिबंधों को आसान कर दिया है। उसने 60 दिन की छूट जारी की है जो ईरान को विशिष्ट शर्तों के तहत कच्चा तेल और पेट्रोलियम उत्पाद एक्सपोर्ट करने की अनुमति देती है। हालांकि यह प्रतिबंधों की स्थायी छूट नहीं है और यह छूट अमेरिका-ईरान वार्ताओं के परिणाम के आधार पर नवीनीकृत या समाप्त की जा सकती है। इस फैसले के बाद, कई जगहों से ईरान से सस्ता तेल और गैस खरीदने की मांग उठी है ताकि आम जनता को फायदा हो सके।

पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने लाहौर में कहाकि ईरान-अमेरिका संघर्ष समाप्त होने के बाद खाड़ी क्षेत्र में शांति बहाल हुई है। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोलियम की कीमतों में गिरावट आई है। उन्होंने कहाकि हम ईरान से सस्ते दामों में तेल और गैस आयात करने के विकल्प पर विचार कर रहे हैं। मलिक ने कहाकि पाकिस्तान सरकार अंतरराष्ट्रीय समझौतों और दायित्वों के अनुसार काम करना जारी रखेगी।

इस दौरान मंत्री ने आरोप लगाया कि कुछ तत्व पेट्रोलियम की कीमतों के बारे में जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहाकि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने यह सुनिश्चित किया है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की कम कीमतों का फायदा तुरंत जनता तक पहुंचे। अमेरिका-ईरान युद्ध के समय पाकिस्तान में पेट्रोलियम की कीमतें 414 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ गई थीं। वर्तमान में, पेट्रोल की कीमत 300 रुपए प्रति लीटर है।

वेनेजुएला में भूकंप के बाद हुई तबाही के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, मृतकों की संख्या बढ़कर 1450 हुई

काराकस, एजेंसी। वेनेजुएला नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिगेज ने कहा कि वेनेजुएला में बुधवार को आए दो शक्तिशाली भूकंपों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,450 हो गई है। नेशनल इमरजेंसी पर सरकार के नए अपडेट में रोड्रिगेज ने कहा कि 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंपों के बाद, वेनेजुएला में 430 हल्के से मध्यम झटके रिकॉर्ड किए गए हैं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, इससे पहले शनिवार को उन्होंने सरकारी टेलीविजन पर कहा था कि इस आपदा से 3,238 लोग घायल हुए हैं और 3,142 परिवार प्रभावित हुए हैं। वेनेजुएला के अधिकारियों की ओर से, रोड्रिगेज ने इस प्राकृतिक आपदा के हजारों पीड़ितों के प्रति अपनी गहरी संवेदना जताई। उन्होंने कहा कि हजारों लोग अभी भी सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन में चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। इस बीच, वेनेजुएला फाउंडेशन फॉर सीस्मोलॉजिकल रिसर्च ने शनिवार को बताया कि दक्षिण अमेरिकी देश के मध्य क्षेत्र में 4.1 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया, जिससे इस हफ्ते की शुरुआत में आए दो विनाशकारी भूकंपों के बाद पहले से ही परेशान लोग और तकलीफ में आ गए। राज्य की भूकंप एजेंसी ने कहा कि ताजा झटके का केंद्र ला गुएरा से लगभग 35 किमी पश्चिम में था, जो सेंट्रल कोस्ट पर एक मुख्य पोर्ट शहर है, जिसे बुधवार को आए दो शक्तिशाली भूकंपों से हुए भारी नुकसान के बाद डिजास्टर जोन घोषित कर दिया गया है। एजेंसी ने बताया कि भूकंप 5 किमी की कम गहराई पर आया, जिससे आम तौर पर जमीन का कंपन बढ़ जाता है और स्ट्रक्चरल डैमेज का खतरा भी बढ़ता है। काराकास और आस-पास के इलाकों में रहने वालों ने बताया कि उन्हें भूकंप के झटके महसूस हुए और कई लोग बिल्डिंग के और गिरने के डर से बाहर भागे। यह भूकंप बुधवार को इस इलाके में दो बड़े भूकंप के झटकों के कुछ ही दिन बाद आया है। पिछले हफ्ते 7.2 और 7.5 तीव्रता के भूकंप से बहुत ज्यादा तबाही हुई, जिसमें बिल्डिंग गिरना, भूस्खलन और मौतें शामिल थीं। अधिकारियों को राहत के कामों में तालमेल बिठाने में मुश्किल हो रही है, क्योंकि बचाव दल तटीय और पहाड़ी इलाकों में प्रभावित समुदायों तक पहुंचने के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

फ्रांस में 'स्काइडाइविंग' विमान दुर्घटनाग्रस्त, 11 लोगों की मौत, सऊदी हेलीकॉप्टर क्रैश में 14 की गई जान

नैंसी (फ्रांस), एजेंसी। उत्तर-पूर्वी फ्रांस में रविवार को 'स्काइडाइविंग' में इस्तेमाल होने वाला एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे इसमें सवार सभी 11 लोगों की मौत हो गई. यह जानकारी एक अधिकारी ने दी. मर्थ-ए-मोसेल क्षेत्र के अधिकारी यवेस सेगुई ने दुर्घटनास्थल के पास पत्रकारों को बताया कि विमान स्थानीय समयानुसार पूर्वाह्न 11 बजे नैंसी शहर के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ. उन्होंने कहा कि आपातकालीन सेवाओं के कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और अधिकारी चश्मदीदों के बयान दर्ज कर रहे हैं.

हादसे की असली वजह सामने नहीं आई : फिलहाल हादसे की असली वजह सामने नहीं आई है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि विमान तकनीकी खराबी, मौसम या किसी अन्य कारण से क्रैश हुआ. ब्लैक बॉक्स और अन्य तकनीकी डेटा की जांच के बाद ही दुर्घटना की असली वजह साफ हो पाएगी यह हादसा फ्रांस के हालिया सबसे गंभीर विमान हादसों में से एक माना जा रहा है. गृह मंत्रालय ने बताया कि गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज़ घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं. पुलिस ने लोगों से साल्वाडोर अलेंदे स्ट्रीट इलाके से पूरी तरह दूर रहने को भी कहा था. पुलिस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आपातकालीन सेवाओं और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए रास्ता साफ़ रखने के लिए, घटनास्थल पर न जाएं. उनकी कार्रवाई में सहयोग करने के लिए धन्यवाद।

सऊदी अरब में क्रैश हुआ हेलीकॉप्टर : सऊदी अरब की सरकारी समाचार एजेंसी ने रविवार को बताया कि सऊदी अरब की बड़ी तेल कंपनी 'अरामको' का एक हेलीकॉप्टर देश के 'रास तनूरा' इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 14 लोगों की मौत हो गई. हेलीकॉप्टर दुर्घटना का कारण अभी पता नहीं चल पाया है और मामले की जांच चल रही है. 'रास तनूरा' में पश्चिम एशिया क्षेत्र की सबसे बड़ी रिफाइनरी है और इसे सऊदी अरामको ही चलाती है.सऊदी प्रेस एजेंसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस दुर्घटना में मारे गए सभी लोग सऊदी अरब के नागरिक थे. पूर्वी फ्रांस में रविवार को नैन्सी शहर के निकट टॉमब्लेन इलाके में यह विमान हादसा हुआ है। इसमें पायलट समेत 11 लोगों सवार थे।

सभी की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दुर्घटनाग्रस्त विमान पैराशूटिंग सिखाने वाले एक स्कूल का है। हादसे पर जानकारी देते हुए स्थानीय प्रशासन ने बताया कि इस दुर्घटना में विमान पायलट समेत विमान में सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, विमान में सवार सभी लोग स्काई डाइविंग के लिए जा रहे थे। इस दौरान स्थानीय पुलिस ने लोगों से टॉमब्लेन हवाई अड्डे वाले इलाके से दूर रहने का निर्देश दिया है।

विश्व युद्ध का खतरा टला? अमेरिका और ईरान हमले रोकने पर सहमत, कतर में होगी 'होर्मुज' पर महाबैठक

दोहा , एजेंसी। पश्चिम एशिया में मंडरा रहे युद्ध के बादलों के बीच एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। लंबे समय से एक-दूसरे के धुर विरोधी रहे अमेरिका और ईरान अब आपसी सैन्य हमलों को रोकने पर सहमत हो गए हैं। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब दोनों देशों के बीच तनाव अपने चरम पर था और दुनिया एक बड़े सैन्य टकराव की आशंका से सहमी हुई थी।

सीजफायर के बाद भी जारी थे हमले : अमेरिका और ईरान के बीच अभी हाल ही में सीजफायर लागू हुआ था, लेकिन उसके बाद भी पिछले 24 घंटों के भीतर ही दोनों ओर से एक-दूसरे के ठिकानों पर फिर से हमले किए गए, जिससे इस समझौते के टूटने का खतरा पैदा हो गया था। हालांकि, अब 'एक्सियोस' की एक रिपोर्ट में वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से दावा किया गया है कि दोनों पक्ष फिलहाल 'काइनेटिक एक्टिविटी' यानी सैन्य हमलों और आक्रामक कार्रवाइयों को पूरी तरह से रोकने के लिए राजी हो गए हैं।

कतर में होगी निर्णायक बैठक : तनाव को कम करने की दिशा में अगला बड़ा कदम कतर की राजधानी दोहा में उठाया जाएगा। मंगलवार को दोनों पक्षों के प्रतिनिधिमंडल एक मेज पर बैठेंगे ताकि 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' को लेकर जारी विवाद का स्थायी समाधान निकाला जा सके। होर्मुज जलमार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए जीवन रेखा माना जाता है और इस पर नियंत्रण को लेकर दोनों देशों के बीच लंबे समय से तनातनी चल रही है।

ट्रंप की चेतावनी : इस समझौते से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बेहद कड़ा रुख अख्तियार किया था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर ईरान नहीं सुधरा तो वे युद्ध को दोबारा शुरू कर 'काम पूरा कर देंगे' और ईरान को दुनिया के नक्शे से मिटा देंगे। वहीं, दूसरी ओर ईरान ने भी पलटवार करते हुए साफ कर दिया था कि यदि अमेरिका ने सीजफायर का उल्लंघन किया, तो भविष्य की सभी कूटनीतिक बातचीत और रास्ते पूरी तरह बंद कर दिए जाएंगे।

होर्मुज में जहाजों की आवाजाही को लेकर राहत : समझौते का एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि बातचीत की प्रक्रिया जारी रहने के दौरान होर्मुज में जहाजों की आवाजाही बिना किसी रोक-टोक के हो सकेगी। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, दोनों पक्ष फिलहाल पीछे हटने को तैयार हैं ताकि कतर में होने वाली बातचीत के लिए अनुकूल माहौल बनाया जा सके। हालांकि, इस पूरे मामले पर अभी तक ईरान का आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, जिससे स्थिति अभी भी थोड़ी संवेदनशील बनी हुई है।

लोकतंत्र बहाल करने के लिए लौटूंगी बांग्लादेश: शेख हसीना

ढाका, एजेंसी। भारत में लंबे समय से निर्वासन में रह रही बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने वतन वापसी का बड़ा दावा किया है। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि इसी साल वह बांग्लादेश वापस जाएंगी। उन्होंने बताया कि इस वापसी में उनकी कोई व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा नहीं है। वे बांग्लादेश में कानून के शासन, लोकतंत्र और लोगों के राजनीतिक अधिकार की बहाली के लिए वापस जाएंगी। इंटरव्यू के दौरान हसीना ने बांग्लादेश में उनकी पार्टी अवामी लीग पर लगे प्रतिबंधों, अंतरिम सरकार, बांग्लादेश की राजनीति, अपने खिलाफ मौत की सजा, देश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों और भारत में निर्वासन पर विस्तार से बात की है।

कार्यकर्ताओं को दिया संदेश : शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के एक्स हैंडल पर बांग्लादेश वापसी की जानकारी देते हुए पोस्ट किया गया। पोस्ट में लिखा कि पार्टी के 77वें साल पर हमारे नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों के लिए मेरा संदेश साफ है। एकजुट रहें और लोगों के साथ खड़े रहें। हर गांव, हर मोहल्ले, हर वार्ड और हर यूनियन में लोगों के साथ अपने रिश्ते को मजबूत करें। सताए हुए लोगों का साथ दें।

आगे उन्होंने लिखा कि अल्पसंख्यकों, महिलाओं, बच्चों, मेहनतकश लोगों, गरीबों और हाशिए पर रहने वाले लोगों की सुरक्षा और सम्मान के मामले में कोई समझौता न करें। अवामी लीग की राजनीति बदले की भावना वाली नहीं है। यह अधिकारों, सुरक्षा, सम्मान और विकास की राजनीति है। अवामी लीग लोगों के साथ थी, लोगों के साथ है और लोगों के साथ रहेगी। लोगों की ताकत से अवामी लीग फिर से आगे बढ़ेगी।

मौत से नहीं डरतीं: शेख हसीना : मौत की सजा पर शेख हसीना ने बताया कि वे मौत से नहीं डरतीं। उन्होंने बताया कि 1975 में मैंने अपना परिवार खोया है। मुझ पर भी 21 अगस्त को ग्रेनेड से हमला हुआ था। मेरे खिलाफ कई बार साजिश रची गई, फिर भी मैं लोगों के साथ खड़ी रही। बांग्लादेश की जनता ने मुझे 5 बार देश का प्रधानमंत्री चुना। अपने कार्यकाल में मैंने देश के विकास के लिए बहुत काम किया।

विपक्ष पर लगाया गंभीर आरोप : इंटरव्यू में शेख हसीना ने बताया कि उनके खिलाफ कोर्ट से जो फैसला आया था, वह राजनीतिक बदले की भावना से किया गया था। उन्होंने इसे अवामी लीग पार्टी को कमजोर करने और नेतृत्व खत्म करने की साजिश बताया। बांग्लादेश सरकार की मौजूदा व्यवस्था पर भी शेख हसीना ने कई सवाल खड़े किए। हसीना ने सरकार पर आरोप लगाया कि देश का लोकतंत्र कमजोर हो गया है। वहां आम लोगों की सुरक्षा खतरे में है। कानून का शासन नहीं है। देश की अर्थव्यवस्था भी कमजोर हुई है। इस दौरान पूरे देश में अल्पसंख्यकों पर लगातेर हमले बढ़े हैं। उन्होंने बताया कि अवामी लीग के कार्यकर्ताओं और नेताओं पर कार्रवाई की गई।

डब्ल्यूएचओ प्रमुख की चेतावनी: यूरोप में हीटवेव से हुई 1300 से अधिक 'अतिरिक्त' मौतें

जिनेवा, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख टेड्रोस एडनॉम गेब्रियेसस ने यूरोप में पड़ रही भीषण गर्मी (हीटवेव) को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि यूरोप में गर्मियों की शुरुआत में आई यह अभूतपूर्व हीटवेव सैकड़ों अतिरिक्त मौतों के लिए जिम्मेदार हो सकती है। रविवार को पूरे महाद्वीप में तापमान के कई रिकॉर्ड टूट गए, और भीषण गर्मी का यह दौर अब पूर्वी यूरोप की ओर भी बढ़ता जा रहा है। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर किए गए एक पोस्ट में डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस ने बताया कि 21 जून के बाद से यूरोप में 'उच्च तापमान से जुड़ी' 1,300 से अधिक अतिरिक्त मौतों के मामले दर्ज किए गए हैं। अनुकूल नहीं हैं इमारतें: टेड्रोस ने कहा कि गर्मी से होने वाले शारीरिक तनाव को अक्सर 'साइलेंट किलर' (खामोश कातिल) कहा जाता है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि यूरोप के घर, दफ्तर और स्कूल इतने अधिक तापमान को सहने के लिए तैयार नहीं किए गए हैं। दोगुनी रफ्तार से गर्म हो रहा यूरोप: उन्होंने चेतावनी दी कि यूरोप पृथ्वी का सबसे तेजी से गर्म होने वाला महाद्वीप है। यहां तापमान में बढ़ोतरी की रफ्तार वैश्विक औसत की तुलना में दोगुनी है। टूट रहे रिकॉर्ड: यूरोप में पड़ रही इस भीषण गर्मी के कारण जर्मनी, पोलैंड और चेक रिपब्लिक जैसे देशों में भी तापमान के नए रिकॉर्ड दर्ज किए गए हैं।

फ्रांस में सबसे ज्यादा असर, 1000 से अधिक मौतें : भीषण गर्मी का सबसे घातक असर फ्रांस में देखने को मिल रहा है। रविवार सुबह फ्रांस के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार

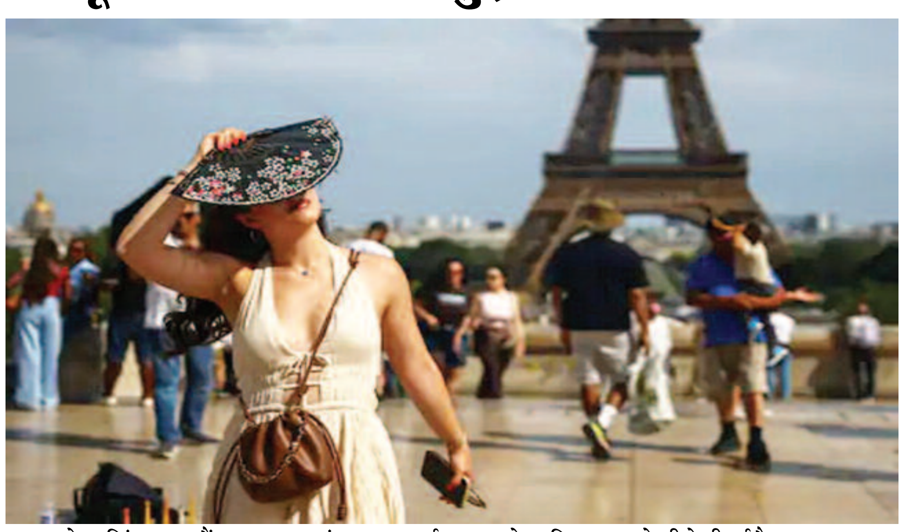

हालात बेहद चिंताजनक हैं: बुधवार से अब तक देश में अपेक्षा से करीब 1,000 अधिक मौतें दर्ज की गई हैं। इन अतिरिक्त मौतों में सबसे बड़ी संख्या 65 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों की है। गर्मी के कारण घरों के भीतर होने वाली मौतों की संख्या में 40 प्रतिशत तक की भारी बढ़ोतरी देखी गई है।

डब्ल्यूएचओ की चेतावनी : विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने चेतावनी दी है कि यूरोप दुनिया का सबसे तेजी से गर्म होने वाला महाद्वीप है। यह वैश्विक औसत से दोगुनी रफ्तार से गर्म हो रहा है। उन्होंने बताया कि फिलहाल 15 करोड़ लोग भीषण गर्मी में रह रहे हैं। स्कूलों को बंद करना पड़ा है और बिजली ग्रिड फेल हो रहे हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के बिना इतनी भीषण गर्मी और उमस मुमकिन नहीं थी।

तापमान के टूटे रिकॉर्ड : जर्मनी, पोलैंड और चेक गणराज्य में गर्मी के पुराने रिकॉर्ड टूट गए हैं। जर्मनी के नीसेमुंडे में तापमान 41.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। चेक गणराज्य में अब तक का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया, जहां पारा 41.9 डिग्री तक चला गया। पोलैंड में भी तापमान 40.5 डिग्री के रिकॉर्ड स्तर पर रहा।

ये हैं जेईई मेन परीक्षा क्रैक करने के लिए जरूरी टिप्स

जेईई मेन एग्जाम की डेट नजदीक आ रही है। इस परीक्षा का पहला सेशन फरवरी के अंतिम सप्ताह में आयोजित किया जाएगा, जिसमें लाखों उम्मीदवार अपनी काबिलियत को आजमाएंगे। देश के टॉप इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिले के लिए होने वाली इस परीक्षा को देश की सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक माना जाता है। अगर आप भी इस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो आपको यहां पर हम जेईई मेंस की प्रिपरेशन प्लानिंग के बारे में पूरी जानकारी और टिप्स देंगे।

सिलेबस को समझ कर बनाएं प्लान

जेईई मेन की तैयारी के लिए छात्रों को प्रभावी प्लान बनाने की जरूरत पड़ेगी और इसमें मदद करेंगा परीक्षा का सिलेबस। सबसे पहले सिलेबस को समझे और इसके आसान और कठिन विषयों को ध्यान में रखकर अपनी प्रिपरेशन प्लानिंग बनाएं। अपनी क्षमता और स्पीड के आधार पर, तीनों विषयों को शामिल करते हुए एक डेली प्रिपरेशन प्लान बनाएं। इसका नियमित रूप से पालन भी करें।

बेहतर टाइम टेबल बनाएं

इस परीक्षा की तैयारी के लिए सही टाइम टेबल होना बहुत जरूरी है। टाइम टेबल को अपने परीक्षा पैटर्न को ध्यान में रखकर बनाएं। इस परीक्षा में उम्मीदवारों को 90 प्रश्नों में से 75 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पेपर की अवधि 3 घंटे है। प्रत्येक विषय में 20 एमसीक्यू और 10 न्यूमेरिकल प्रश्न होंगे, जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। एमसीक्यू के लिए, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1 अंक काटा जाएगा। वहीं, न्यूमेरिकल प्रश्नों में सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और इस खंड में कोई निगेटिव मार्किंग नहीं है।

मौजूदा टॉपिक को पूरा करें

इस परीक्षा के पहले अटेम्ट के लिए अब दो माह से कम समय बचा है। इसलिए तैयारी में आपको पूरा जोर लगाना पड़ेगा। अब समय आ गया है कि इस परीक्षा के प्रमुख टॉपिक को आप पूरा कर लें। उसके बाद दूसरे टॉपिक को शुरू करें। यह तरीका आगे चलकर आपके लिए महत्वपूर्ण पहलू साबित होगा, क्योंकि जेईई मेन की तैयारी के अंतिम चरण के दौरान, उम्मीदवारों को अधिक जोर नहीं लगाना पड़ेगा।

फ्लैश कार्ड तैयार करें

इस परीक्षा की तैयारी के लिए शॉर्ट नोट्स बनाना बेहद महत्वपूर्ण है। फ्लैशकार्ड और शॉर्ट नोट्स तैयार करने का उद्देश्य मुख्य परीक्षा के आयोजन में जब एक सप्ताह का समय बचा हो, उस समय अधिक से अधिक समय को बचाकर इनसे तैयारी कर सकें। इनसे उम्मीदवार जल्दी से इन शॉर्ट नोट्स और फ्लैश नोट्स के माध्यम से पढ़ाई कर सकेंगे और अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं को दोहरा सकेंगे।

सैंपल पेपर्स की प्रैक्टिस करें

जेईई मेंस परीक्षा की तैयारी के लिए लगातार सैंपल पेपर और प्रश्न पत्रों को हल करें। जेईई मेन प्रश्न पत्र को हल करने का उद्देश्य उम्मीदवारों को उनकी तैयारी के स्तर को जानने में सक्षम बनाना है। इससे, उम्मीदवार यह पता लगाने में सक्षम होंगे कि वे हर विषय में प्रत्येक प्रश्न को हल करने में कितना समय ले रहे हैं। साथ ही क्या वे अपने समय का उचित प्रबंधन कर पा रहे हैं या नहीं, यह समझ भी उनमें आएगी। जितना अधिक वे प्रश्नों को हल करेंगे, उन्हें पता चल जाएगा कि वे कौन से क्षेत्र हैं जिनमें उन्हें अधिक काम करना होगा ताकि परीक्षा के दिन कोई कठिनाई न आए। वे अपनी कमियों को दूर कर अपनी प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं।

लगातार मॉक टेस्ट दें

अब सभी परीक्षा के लिए मॉक टेस्ट बेहद जरूरी हो गया है। यह हमें परीक्षा से पहले असपल परीक्षा का एहसास कराता है। अगर आप जेईई मेन की तैयारी कर रहे हैं, तो प्रतिदिन एक मॉक टेस्ट जरूर देने की कोशिश करें। इससे जेईई मेन प्रवेश परीक्षा के दिन उम्मीदवारों को किसी तरह के प्रेशर का सामना नहीं करना पड़ेगा।

रिवीजन जरूर करें

सभी परीक्षा के लिए रिवीजन बहुत ही जरूरी है। इसके बिना परीक्षा को क्रैक नहीं कर सकते। इसलिए, उम्मीदवारों को समय रहते जो कुछ पढ़ा है उसे अच्छी तरह से दोहरा लेना चाहिए। इससे टॉपिक को याद करने में काफी मदद मिलेगी। आप जो भी टॉपिक पढ़े उसका हर सप्ताह रिवीजन भी करें। इससे आपको याद करते में मदद मिलेगी।

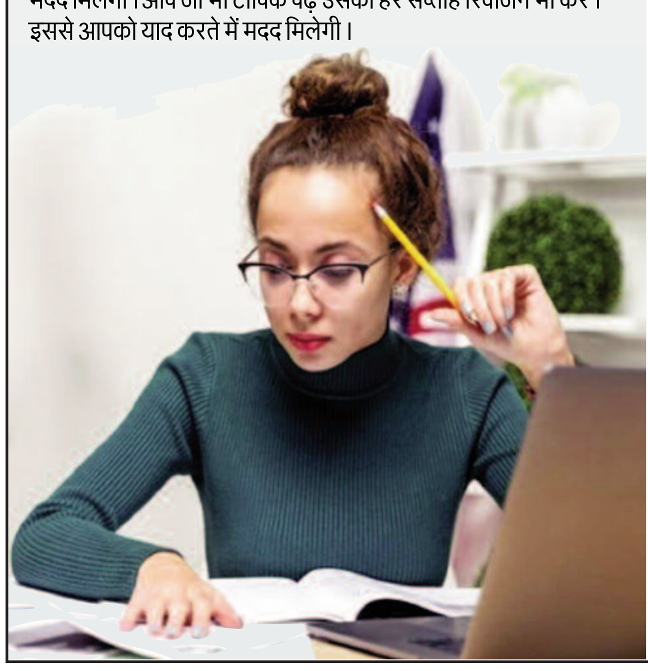

डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर संवारें अपना कॅरियर

डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। शरीर के अन्य भागों की तरह ही दांत भी मनुष्य के शरीर का एक अहम हिस्सा हैं। आमतौर पर ओरल हेल्थ का ख्याल रखना बेहद ही जरूरी माना जाता है और लोग इसका ख्याल रखते भी हैं। हालांकि दांतों व ओरल हेल्थ से संबंधित कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है और ऐसे में एक पेशेवर की जरूरत पड़ती है। वैसे जब ओरल हेल्थ को लेकर डॉक्टर का ख्याल आता है तो हम सभी डेंटिस्ट के पास जाना पसंद करते हैं। लेकिन अब, दंत चिकित्सा तेजी से बदल रही है, कई अवसरों और चुनौतियों का निर्माण कर रही है। दंत चिकित्सकों के रूप में मुख्य कॅरियर के अलावा, दंत चिकित्सा सहायक, डेंटल हाइजीन के क्षेत्र में भी आप कॅरियर के अवसर तलाश सकते हैं। तो चलिए आज हम जानते हैं कि डेंटल हाईजीनिस्ट बनकर आप अपना कॅरियर कैसे संवार सकते हैं–

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। डेंटल हाइजिनिस्ट अमूमन डेंटिस्ट को मरीजों के दांतों की देखभाल करने और अच्छे मौखिक स्वास्थ्य को मेंटेन रखने में रोगियों को शिक्षित करने में सहायता करते हैं। डेंटल हाइजीनिस्ट के कुछ अधिक विशिष्ट कर्तव्यों में दांतों से टार्टर और प्लाक को हटाना, दांतों की सुरक्षा के लिए फ्लोराइड या सीलेंट लगाना, एक्स-रे लेना और उचित मौखिक स्वच्छता पर मरीजों को शिक्षित करना शामिल है। हाइजीनिस्ट मरीजों को अपने दांतों की देखभाल के बारे में बात करने में समय बिताते हैं। वे लोगों को उन प्रभावों के बारे में शिक्षित करते हैं जो उनके आहार और जीवन शैली का उनके दांतों पर प्रभाव डालते हैं। साथ ही वे दांतों को स्वस्थ रखने के लिए तकनीकों और आदतों के बारे में बताते हैं।

शैक्षिक योग्यता

डेंटल हाइजीनिस्ट कोर्स को कई डेंटल कॉलेजों में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स के रूप में पेश किया जाता है। जो छात्र डेंटल हाइजीनिस्ट का कोर्स करना चाहते हैं, उन्हें 12वीं की परीक्षा भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान विषय में पास करना अनिवार्य है।

व्यक्तिगत योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, डेंटल हाइजीनिस्ट की आंखों की रोशनी, सुनने और संचार कौशल अच्छा होना चाहिए। किसी भी अन्य चिकित्सा क्षेत्र के साथ, उन्हें दूसरों की मदद करने की तीव्र इच्छा होनी चाहिए, और दंत चिकित्सकों के निर्देशों का बारीकी से पालन करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, अच्छा पारस्परिक कौशल, धैर्य, परिश्रम और उच्च स्तर की सटीकता एक अच्छा हाइजीनिस्ट होने के लिए आवश्यक कौशल हैं। एक टीम के रूप में काम करने की क्षमता भी इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

संभावनाएं ही संभावनाएं

दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बतौर डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर भी आप एक अच्छा कॅरियर देख सकते हैं। एक डेंटल हाईजीनिस्ट अस्पताल से लेकर कम्युनिटी डेंटल सर्विस के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा वे पीरियोडोंटिक्स या बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा में भी काम कर सकते हैं। डेंटल हाईजीनिस्ट डेंटल हॉस्पिटल, आर्म्ड फोर्स, पब्लिक हेल्थ सेक्टर व प्राइवेट रूप से भी प्रैक्टिस कर सकते हैं।

आमदनी

डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी उनकी शिक्षा, अनुभव व स्थान के आधार पर भिन्न होती है। एक डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी घंटे, दिन, सैलरी या कमिशन बेस पर हो सकती है। हालांकि इस क्षेत्र में एक फ्रेशर प्रति माह आठ से दस हजार रूपए वेतन प्राप्त कर सकता है।

प्रमुख संस्थान

- भारत इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- भारत यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- जया पैरामेडिकल कॉलेज एंड एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, हरियाणा
- लक्ष्मी बाई इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल, पटियाला

कृषि का अध्ययन करने के बाद एक सफल उद्यमी कैसे बनें

उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी। उद्यमिता आजकल हर जगह पाई जा सकती है। हर पेशे में एक उद्यमी क्षेत्र होता है। उस विशेष क्षेत्र में कृषि निश्चित रूप से बहुत अहम भूमिका निभाता है। उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी।

उद्यमिता क्षेत्र के किसान आजकल अपने खेतों को व्यवसाय मानते हैं और वे उन्हें ऐसा ही मानेंगे। वे जोखिम लेने के लिए तैयार हैं, वे नई और इनोवेटिव तकनीकों का इस्तेमाल करेंगे और सामान्य तौर पर वे अपनी सामर्थ्य के हिसाब से सब कुछ करेंगे जो उन विचारों के साथ आएंगे जो उनके लाभ को अधिकतम करेंगे, उनके प्रयास को कम करेंगे और उनके व्यवसाय को बढ़ाएंगे। आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए उद्यमियों की भूमिका को मान्यता देते हुए विश्वविद्यालय और कॉलेज स्तर में कई पाठ्य कार्यक्रमों ने छात्रों के उद्यमिता कौशल को विकसित करने के लिए एक विषय के रूप में उद्यमिता को शामिल किया है। हालांकि, मौजूदा समय में नौकरियों को भरने के लिए कॉलेज में इस विषय का अध्ययन करने वाले पर्याप्त छात्र नहीं हैं। और इसके परिणामस्वरूप सफल कृषि व्यवसाय चलाने के अनुभव वाले कम लोग ही होंगे।

कृषि-उद्यमी बनने के लिए जरूरी कदम

प्रक्रिया का पहला चरण- यदि उद्यमिता की अवधारणा के साथ खुद को परिचित करना है तो आपको यह समझने की आवश्यकता है कि उद्यमशीलता क्या है और यह आपके खेत को कैसे लाभ पहुंचा सकती है।

दूसरा कदम- कृषि की दुनिया के सभी नए नए विचारों के बारे में सीखना है। नई सामग्रियों और उर्वरकों से लेकर नई मशीनों और प्रौद्योगिकियों तक। इससे आपको अपने खेत को एक वास्तविक बड़े व्यवसाय के रूप में कल्पना करने में और उन सभी छोटी छोटी चीजों को व्यवस्थित करने में, जो आपको याद आ रही हैं, काफी मदद मिलेगी।

तीसरा कदम- एक साझेदारी बनाना है। एक उद्यमी के रूप में सफल होने के लिए ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी और आपको उन चीजों को प्रदान करने के लिए किसी की आवश्यकता भी संभवत: हो सकती है। उन लोगों के साथ सही साझेदारी बनाएं, जो आपके सपने और सफलता की महत्वाकांक्षा को साझा करते हैं।

चौथा कदम- कृषि के क्षेत्र में 'धमाकेदार' के साथ अपना नया 'स्टार्ट-अप' व्यवसाय शुरू करना है। आपको एक बहुत मजबूत और ठोस व्यवसाय योजना की आवश्यकता है। आपको कुछ जोखिम भी उठाने पड़ सकते हैं। यह जानना कि आप किस उद्देश्य से काम कर रहे हैं, सही व्यवसाय योजना बनाना बहुत कठिन काम नहीं है।

आपके लिए यह याद रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि साझेदारी आपके कृषि व्यवसाय के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यदि आप वास्तव में सफल उद्यमी बनना चाहते हैं तो आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप जो भी सहायता प्राप्त कर सकते हैं, उसका ठीक से उपयोग करेंगे।

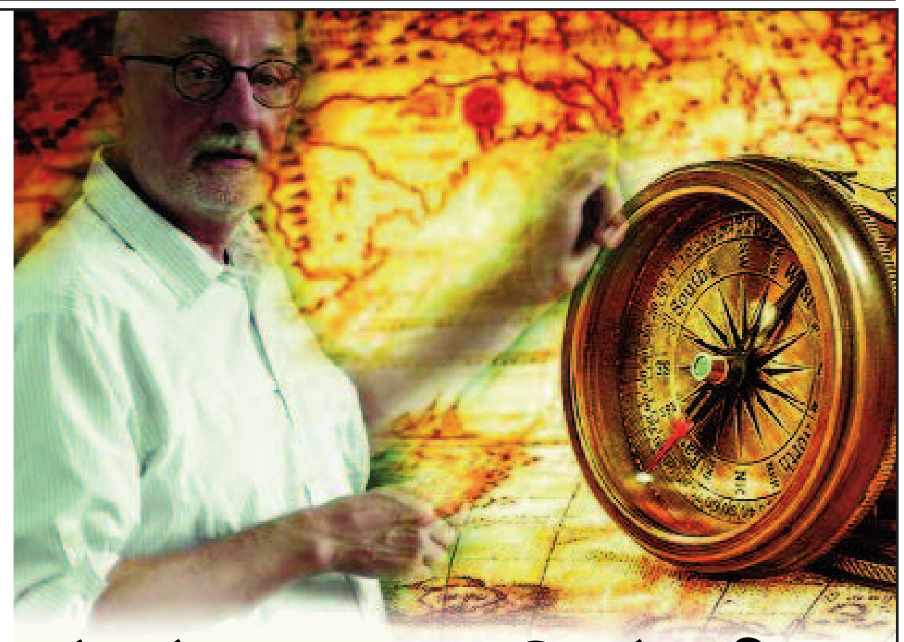

कैसे बनाएं अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर

प्रत्येक स्थान का इतिहास हजारों पांडुलिपियों, अभिलेखों, शिलालेखों, दस्तावेजों आदि में अंतर्निहति है, इन अद्वितीय अभिलेखों को वैज्ञानिक रूप से संरक्षित और अभिलेखीय अभिलेख या आर्काइवल रिकॉर्ड्स कहा जाता है, जो किसी विशेष क्षेत्र और समाज के इतिहास को समझने में मदद करते हैं। आमतौर पर लोग म्यूजियम, आर्काइव्स और लाइब्रेरी को लेकर भ्रमित हो जाते हैं, क्योंकि ये सभी सांस्कृतिक संस्थाएं हैं, जो सांस्कृतिक विरासत के संग्रह और संरक्षण से संबंधित हैं। यह तीनों ही इतिहास को संरक्षित रखने में मदद करते हैं, लेकिन फिर भी इनमें अंतर है। जहां, संग्रहालय ऐतिहासिक कलाकृतियों और वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, वहीं पुस्तकालय में प्रकाशित पुस्तकों, पत्रिकाओं आदि को रखा जाता है, जबकि आर्काइव्स अभिलेखों पर ध्यान केंद्रित करने में माहिर हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बताते हैं कि अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर कैसे बनाएं–

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं।

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं। वे उन अभिलेखों का मूल्यांकन, संग्रह, आयोजन, संरक्षण और रखरखाव करते हैं, जिनके पास अतीत की विश्वसनीय यादों के रूप में स्थायी मूल्य होते हैं। वे ऐसे लोग हैं जो राष्ट्रीय और स्थानीय अभिलेखागार, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, व्यवसायों, आदि में दस्तावेजीकरण के लिए जिम्मेदार हैं, वे कानूनी, वित्तीय और प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए रिकॉर्ड को संरक्षित और सुलभ बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, अधिकांश कॉलेज और विश्वविद्यालय सूचना विज्ञान के साथ एक सहायक विषय के रूप में अभिलेखीय विज्ञान पढ़ाते हैं। वहीं, भारत में कुछ संस्थान ऐसे भी हैं, जो अभिलेखीय विज्ञान में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जैसे कि अभिलेखागार में पीजी प्रमाणपत्र, अभिलेखागार अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और अभिलेखागार और प्रबंधन और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि।

व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक आर्काइविस्ट में बेहतर कम्युनिकेशन स्किन के अलावा एनालिटकल एंड रिसर्च स्किल्स, प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स और आर्गेनाइजेशनल एबिलिटी होना बेहद जरूरी है। उन्हें धैर्य रखने के अलावा सटीक, पूरी तरह से समझने और क्या जानकारी रखने के बारे में अच्छे निर्णय लेने में सक्षम होने की आवश्यकता है। उन्हें एक सुव्यवस्थित और व्यवस्थित तरीके से काम करना चाहिए, जानकारी को निजी रखने और दबाव में अच्छी तरह से काम करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, एक आर्काइविस्ट को कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का भी सही तरह से इस्तेमाल करना आना चाहिए।

संभावनाएं

आर्काइविस्ट विभिन्न संगठनों जैसे संग्रहालयों, सरकारी एजेंसियों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों, औद्योगिक और वाणिज्यिक फर्मों, ऐतिहासिक सोसाइटी, निगमों और अन्य कई संस्था में काम कर सकते हैं। वहीं, सरकारी क्षेत्रों में रोजगार की तलाश करने वालों को संघ लोक सेवा आयोग या कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं को पास करना होगा। भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार, संस्कृति मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय, जो राष्ट्र के सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों और अभिलेखागार का प्रबंधन करता है, अपनी विभिन्न इकाइयों में योग्य उम्मीदवारों को नौकरी के विभिन्न अवसर प्रदान करता है।

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर शुरुआती वेतन 10000 रुपये से लेकर 15000 रुपये प्रति माह तक कमा सकता है। अनुभवी और योग्य पेशेवर प्रति माह लगभग 20,000 रुपये का वेतन प्राप्त कर सकते हैं। वहीं अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आपकी आमदनी भी बढ़ती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल आर्काइव्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
- पटना यूनिवर्सिटी, पटना
- महर्षि दयानंद सरस्वती यूनिवर्सिटी, अजमेर
- द गांधीग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, तमिलनाडु

संक्षिप्त समाचार

रुद्रेश्वर महादेव गर्भगृह से निकले, हजारों श्रद्धालुओं ने किए भव्य दर्शन

नौगांव (उत्तरकाशी)। रवांई घाटी के आराध्य रुद्रेश्वर महादेव मंगलवार को धार्मिक परंपराओं और वैदिक विधि–विधान के बीच तीयां गांव स्थित प्राचीन मंदिर के गर्भगृह से बाहर विराजमान हुए। देवता के दर्शन के लिए तीयां गांव में सुबह से ही श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। गर्भगृह से बाहर लाने से पूर्व पुजारियों ने देवमूर्ति का दुग्धाभिषेक कर विशेष पूजा–अर्चना संपन्न कराई। इसके बाद देवमूर्ति को चांदी की गिलठी में विराजमान कर पूरे विधि–विधान के साथ गर्भगृह से बाहर निकाला गया। मंगलवार को तीयां गांव स्थित प्राचीन मंदिर के गर्भगृह से बाहर आने के बाद देवमूर्ति को पारंपरिक देव डोली में विराजमान किया गया। श्रद्धालुओं ने देव डोली के साथ मंदिर परिसर में पारंपरिक तांदी नृत्य कर अपनी आस्था और उल्लास का प्रदर्शन किया। तीयां थान समिति के अध्यक्ष दीवान सिंह ने बताया कि रुद्रेश्वर महादेव पिछले एक वर्ष से तीयां गांव के प्राचीन मंदिर के गर्भगृह में विराजमान थे। देव डोली मंगलवार रात्रि विश्राम तीयां गांव में करेगी तथा बुधवार 1 जुलाई को देवराना के लिए प्रस्थान करेगी। देवराना में प्रतिवर्ष की भांति रंवाई क्षेत्र के 65 गांवों की सामूहिक डांडा देवराना जातर का आयोजन होगा। इस अवसर पर तीयां थान समिति के अध्यक्ष दीवान सिंह, जगमोहन परमार, पूर्व विधायक मालचंद, जयेंद्र राणा, ग्राम प्रधान रीना बहुगुणा, संजय थपलियाल, जयवीर परमार, विपिन रमोला, मोहित थपलियाल, एडवोकेट श्वेता मौजूद रहे।

भागीरथी का जलस्तर बढ़ने से रात को सो नहीं पा रहे ग्रामीण

उत्तरकाशी। भागीरथी नदी के बढ़ते जलस्तर से खतरे में आए हर्षिल के ग्रामीणों का कहना है कि पिछली पांच रातों से वे सो नहीं पाए हैं। गत वर्ष की आपदा के दौरान हर्षिल में बनी झील और नदी से हो रहे कटाव के कारण हर समय बड़ी आपदा का खतरा बना है। जिलाधिकारी कार्यालय में पहुंचे हर्षिल क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों के साथ पहुंची वयोवृद्ध महिला पूर्व प्रधान बसंती नेगी ने डीएम से कहा कि हमारी सुरक्षा के जल्द ही पुख्ता इंतजाम किए जाए। मंगलवार को हर्षिल क्षेत्र के आठ गांव के प्रधान और पूर्व जनप्रतिनिधि जिलाधिकारी प्रशांत आर्य से मिलने पहुंचे। उन्होंने कहा कि गत वर्ष की आपदा के बाद से हर्षिल पर झील और बढ़ते नदी के जलस्तर का खतरा बना है लेकिन समय पर सुरक्षात्मक कार्य नहीं होने से आज पूरे हर्षिल सहित निचले क्षेत्रों में बड़ी आपदा का खतरा बन गया है।

उन्होंने कहा कि बीते शुक्रवार रात में भागीरथी नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण जीएमवीएन का टिनशेड बह गया था। उसके बाद शनिवार को दोबारा जलस्तर बढ़ने पर कई पेड़ टूट कर नदी में गिरे। अब स्थिति यह है कि जीएमवीएन सहित पुलिस थाना, लोनिवि गेस्ट हाउस और सेब के बगीचों सहित आवासीय भवनों और होटल होमस्टे का खतरा बना हुआ है।

टूटे और फिसलन भरे रास्ते से स्कूल जाने को बच्चे मजबूर

उत्तरकाशी। धनारी क्षेत्र के मंजकोट गांव में राजकीय प्राथमिक विद्यालय को जाने वाला मार्ग पिछले एक वर्ष से क्षतिग्रस्त पड़ा हुआ है। मार्ग का बड़ा हिस्सा टूट जाने के कारण विद्यालय आने जाने वाले छात्रों को प्रतिदिन जान जोखिम में डालकर आवाजाही करनी पड़ रही है। बरसात शुरू होने के साथ ही स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है। इससे किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। मंजकोट गांव की ग्राम प्रधान वंदना राणा, पूर्व उपप्रधान अमित राणा, जितेंद्र राणा, गौतम राणा आदि ने बताया कि विद्यालय आगामी एक जुलाई से खुलने जा रहे हैं। लेकिन आज तक क्षतिग्रस्त मार्ग की मरम्मत नहीं कराई गई। ऐसे में छोटे–छोटे बच्चों को टूटे हुए और फिसलन भरे रास्ते से होकर विद्यालय पहुंचना पड़ेगा। कहा कि बच्चों की सुरक्षा को लेकर वे बेहद चिंतित हैं लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में कई बार संबंधित विभाग को लिखित एवं मौखिक रूप से अवगत कराया गया। इसके साथ ही क्षेत्रीय विधायक को भी पत्र लिखकर मार्ग की मरम्मत कराने की मांग की गई लेकिन एक वर्ष बीत जाने के बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि जिम्मेदार विभाग और जनप्रतिनिधि केवल आश्वासन देते रहे जबकि धरातल पर कोई कार्य नहीं हुआ।

बारिश से लोगों को भीषण गर्मी से मिली राहत

दिनेशपुर। बीते कई दिनों से भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को सोमवार को थोड़ी राहत मिली। मौसम का मिजाज बदला और तड़के चार बजे से सुबह सात बजे तक बारिश हुई। तापमान में गिरावट होने से लोगों ने राहत की सांस ली। दिनभर आसमान में बादल छाए रहे। शाम को फिर हल्की बारिश होने से मौसम सुहवना हो गया।

4 जुलाई से फिर शुरु होगा 'जन-जन की सरकार जन-जन के द्वार' कार्यक्रम

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर चलेगा 15 दिन का विशेष अभियान

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : जन समस्याओं के निराकरण के लिए गत वर्ष चलाए गए 'जन-जन की सरकार जन-जन के द्वार' कार्यक्रम की सफलता को देखते हुए, प्रदेश सरकार एक बार फिर जनता के द्वार पहुंच रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 4 जुलाई से 15 दिन का इस विशेष अभियान संचालित करने के निर्देश दिए हैं। इसमें जिला, ब्लॉक और तहसील स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें संबंधित विभागों अधिकारी, कर्मचारी शामिल होकर, जन समस्याओं का निराकरण करेंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि लोगों को जन समस्याओं के समाधान के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़े, बल्कि विभाग अधिकारी कर्मचारी खुद लोगों के पास पहुंच शिकायतों का निस्तारण करें। मुख्यमंत्री की

इसी सोच को केंद्र में रखते हुए प्रदेश सरकार ने गत दिसंबर माह से 45 दिन का 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान शुरु किया था। अब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कार्यकाल के सफल पांच वर्ष पूरे होने के अवसर पर एक बार फिर ये अभियान शुरु होने जा रहा है। इस बार 4 जुलाई से मनाए जा रहे सेवा पखवाड़ा (15 दिवस) के तहत यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसके तहत जिला, ब्लॉक और तहसील स्तर पर शिविर आयोजित करते हुए, जन समस्याओं का निराकरण किया जाएगा, साथ ही लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ भी दिया जाएगा। दिसंबर माह में शुरु किए गए 45 दिन के 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान के तहत 681 शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें 5,33,452 नागरिकों ने प्रत्यक्ष तौर पर भागीदारी निभाई, यही नहीं इस दौरान करीब 33 हजार जन शिकायतों का त्वरित समाधान किया गया। इस अभियान को गवर्नेंस की बेस्ट प्रैक्टिस के रूप भी सराहा गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि लोगों को बिना किसी भागदौड़ के सरकारी सेवाएं मिली, यही सुशासन की पहली सीढ़ी है। इसी क्रम में सभी जनपदों में 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान का दूसरा चरण शुरु किया जा रहा है। इसमें सभी सक्षम अधिकारियों, कर्मचारियों को उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

मंत्री जी दफ्तर में, कर्मचारी गायब

जसपुर। शहरी विकास मंत्री राम सिंह कैड़ा सोमवार को अचानक नगर पालिका कार्यालय का औचक निरीक्षण करने पहुंच गए। लोक निर्माण, गृहकर, योजना, वाद–विवाद और सूचना आदि कक्ष का निरीक्षण किया तो यहां कई कर्मचारी मौजूद नहीं थे। अधिकारी समेत अन्य कर्मचारी अनुपस्थित मिलने से मंत्री ने नाराजगी जताई। गायब कर्मचारियों पर कार्रवाई तय मानी जा रही है। शहरी विकास मंत्री राम सिंह कैड़ा सोमवार को हल्द्वानी से हरिद्वार जा रहे थे। दोपहर को जसपुर पहुंचने पर अचानक वह नगर पालिका परिषद का निरीक्षण करने पहुंच गए। उन्होंने यहां पेयजल के साथ सफाई आदि व्यवस्था का भी जायजा लिया। इस दौरान उपस्थिति पंजिका का अवलोकन करने पर पाया कि कुछ अधिकारी और कर्मचारी कई दिन से गायब है। पंजिका पर उनके हस्ताक्षर नहीं हुए थे।

विभागीय कार्यों के लिए लगा रहे नई टिहरी के चक्कर

उत्तरकाशी। टिहरी जनपद से उत्तरकाशी के डुंडा ब्लॉक में शामिल सौंदी गांव के ग्रामीणों को विभिन्न विभागीय कार्यों के लिए अभी भी नई टिहरी की दौड़ लगानी पड़ रही है। उनका कहना है कि अभी कई विभागों की ओर से उनके दस्तावेज हस्तांतरित नहीं किए गए हैं। इससे सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं।

इस संबंध में गांव के पूर्व प्रधान आनंद सिंह पंवार और जयपाल सिंह चौहान ने जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजकर जल्द कार्रवाई की मांग की है। डीएम को प्रेषित ज्ञापन में बताया कि वर्ष 2023 में ग्राम पंचायत सौंदी को तहसील प्रतापनगर टिहरी गढ़वाल से पृथक कर गाजणा पट्टी, डुंडा जनपद उत्तरकाशी में शामिल कर दिया गया था। इसके बावजूद चार वर्ष बीतने के बाद भी कई विभागों का संचालन अब भी टिहरी गढ़वाल से किया जा रहा है। इससे ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी कार्यों और विकास योजनाओं का लाभ लेने में अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि शिक्षा, बाल विकास, खाद्यान्न, जिला सहकारी, वन, पर्यटन, स्वास्थ्य, पशुपालन और समाज कल्याण विभागों को छोड़कर अधिकांश विभागों का संचालन अभी भी टिहरी से हो रहा है। इसके कारण प्रमाण पत्र, विकास कार्यों की स्वीकृति, योजनाओं के क्रियान्वयन तथा अन्य प्रशासनिक कार्यों के लिए बार–बार टिहरी जाना पड़ता है। जिससे समय और धन दोनों की अतिरिक्त बरबादी हो रही है।

विदाई समारोह का आयोजन किया

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार। डॉ. पी. डी. बी. एच. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में डॉ. अरुणा चौधरी की सेवा अधिवर्षता पूर्ण होने के अवसर पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। डॉ. अरुणा चौधरी ने महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग में प्रयोगशाला सहायक के पद पर लगभग 36 वर्ष तक सेवारत रही और पूरी ईमानदारी से कार्य किया। महाविद्यालय परिवार ने डॉ. चौधरी मेम को भावभीनी विदाई दी। प्राचार्य प्रो.(डॉ.) डी. एस. नेगी जी ने इस अवसर कहा कि जिस जज्बे और कर्तव्यनिष्ठा से अपने पद पर रहते हुए डा.चौधरी ने कार्य किया, आने वाली पीढ़ी सदैव स्मरण रखेगी। आपने बताया कि चौधरी मेम में अपने कार्य के प्रति एक जिजीविषा थी अपनी बात को कहने की हिम्मत थी और ये हिम्मत, मेहनत से पैदा होती है, क्योंकि आपने प्रयोगशाला सहायक के पद पर रहते हुए पी. एच. डी. जैसी उपाधि हासिल की। डॉ.चौधरी इसी महाविद्यालय की छात्रा रही और यही से अपने पद पर रहते हुए सेवानिवृत हो रही है, इससे बड़ा उदाहरण और क्या हो सकता है। डॉ. चौधरी ने अश्रु

भरे स्वर में बताया कि एक लड़की के लिए मां और पिता को खोने के बाद सामाजिक रिश्तों को निभाना, जिस पर बीतती है वही जान सकता है। महाविद्यालय परिवार हमेशा मेरे भाई बहन की तरह साथ रहा। डॉ. अर्चना भण्डारी ने कहा कि चौधरी मेम मेरी बहन मेरी मित्र और उससे भी बढकर अगर कुछ हो सकता हो तो वह मेरे लिए थी, है और रहेगी। अनिता धस्माना ने बताया कि मैंने कॉलेज में ऐसे बहुत कम लोग देखे हैं जो जिंदादिल होते हैं और अरुणा चौधरी मेम उनमें भी सर्वोपरि है। डॉ. नवरत्न सिंह ने कहा कि अपनी बडी डिग्री का उनमें कोई भी घमंड नहीं रहा, छोटो के साथ छोटे और बड़ों के साथ बड़े जैसा व्यवहार इनकी प्राथमिकताओं में रहा है। डॉ. अर्चना कुकरेती ने बताया कि मैंने चौधरी मेम से बहुत कुछ सीखा है। इस अवसर पर डॉ. एस. सी. बहुगुणा, डॉ. जितेंद्र सिंह, डॉ. विनोद सिंह भंडारी, डॉ. मीनाक्षी वर्मा ने भी अपने अपने विचार रखे। शिक्षक/ शिक्षणेत्र कर्मचारियों में डॉ. मुकेश रावत,डॉ. पवन भट्ट, अरविन्द दुदपुड़ी ,मुकेश बिष्ट, जयवीर सिंह नेगी, कुसुम भंडारी, अजय राणा, कु .शशि रावत, उमेश खुगसाल, शीशपाल राणा, अंजली, पृथ्वी पाल सिंह,चंडी प्रसाद, अब्दुल जब्बार, राकेश कुमार, नीरज बिष्ट, श्रीमति लीला देवी, शेखर मैठाणी , श्री मुकेश जदली, सत्यपाल, भारत रावत, मो.दिन खान, संदीप चौहान आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का बेहतरीन संचालन डॉ.जुनिश कुमार द्वारा किया गया।

2 जुलाई की आपदा मॉक ड्रिल को लेकर तैयारियां पूरी

आपदा से निपटने की तैयारियों का लिया जायजा, छः स्थानों पर होगी मॉक ड्रिल

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : 2 जुलाई को प्रस्तावित जनपद स्तरीय आपदा मॉक ड्रिल की तैयारियों के क्रम में मंगलवार को एनआईसी सभागार, गोपेश्वर में जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में टेबल टॉप एक्सरसाइज का आयोजन किया गया। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा मॉक ड्रिल के दौरान निभाई जाने वाली भूमिकाओं, उपलब्ध संसाधनों, राहत एवं बचाव कार्यों, संचार व्यवस्था, विभागीय समन्वय की विस्तृत समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि मॉक ड्रिल का उद्देश्य किसी भी संभावित आपदा की स्थिति में विभिन्न विभागों की तैयारी, त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता तथा आपसी समन्वय का परीक्षण करना है। उन्होंने सभी विभागों को निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार अपने दायित्वों का गंभीरता पूर्वक निर्वहन करने तथा आवश्यक संसाधनों एवं मानवबल की उपलब्धता पहले से सुनिश्चित करने के

निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मॉक ड्रिल के तहत जनपद के छः चिन्हित स्थलों पर विभिन्न आपदा परिदृश्यों का अभ्यास किया जाएगा। इनमें चेपड़ों (थराली) में भारी वर्षा एवं भूस्खलन से भवनों में मलबा भरने, लामबगड़ (ज्योतिर्मठ) में मलबा गिरने से पुल क्षतिग्रस्त होने एवं अलकनंदा नदी का प्रवाह बाधित होने, थराली-चेपड़ों–वाण क्षेत्र में बादल फटने, कमेड़ा (गौचर) में पत्थर गिरने से यातायात बाधित होने, तमक नाला (ज्योतिर्मठ) में मलबा गिरने से पुल क्षतिग्रस्त होने तथा टीएचडीसी टनल (पीपलकोटी) में टनल क्षतिग्रस्त होने से लोगों के फंसने की काल्पनिक परिस्थितियों पर राहत एवं बचाव कार्यों का अभ्यास किया जाएगा। बैठक में खोज एवं बचाव दलों की तैनाती, राहत शिविरों की व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं, एम्बुलेंस, विद्युत एवं पेयजल आपूर्ति, खाद्य एवं आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता, सड़कों को सुचारु रखने, वैकल्पिक मार्गों, संचार व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की भी विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, उपजिलाधिकारी राज कुमार पांडे, परियोजना निदेशक आनंद सिंह, जिला विकास अधिकारी के.के पंत, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी आदि मौजूद थे।

अमरनाथ यात्रा ड्यूटी में तैनात आईटीबीपी जवान का निधन

नानकमत्ता। अमरनाथ यात्रा सीजन ड्यूटी में तैनात नानकमत्ता निवासी आईटीबीपी (भारत तिब्बत सीमा पुलिस) के जवान का बीमारी से निधन हो गया। जवान के पार्थिव शरीर को उनके निवास पर लाया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, गंगापुर खत्ता, ग्राम गिधौर, नानकमत्ता निवासी मनोज चंद्र अटवाल (28) पुत्र कृष्णानंद अटवाल भारत तिब्बत सीमा पुलिस में जम्मू कश्मीर में कार्यरत थे। वर्तमान में वह अमरनाथ यात्रा सीजन ड्यूटी में तैनात थे। स्वास्थ्य खराब होने के कारण रविवार को उनका आकस्मिक निधन हो गया। मंगलवार को ग्राम गिद्धौर गंगापुर में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

बढ़ रहे बुखार, छाती दर्द कमजोरी के मामले

रुद्रपुर। गर्मी के कारण लोग बुखार के साथ ही छाती, गले में दर्द और कमजोरी की चपेट में आ रहे हैं। जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में हर रोज 800 से अधिक मरीज इलाज कराने पहुंच रहे हैं।

जिला अस्पताल में सुबह से ही लोगों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो जाता है। सबसे अधिक मरीज फिजिशियन कक्ष में पहुंच रहे हैं। फिजिशियन के अभाव में मेडिकल कॉलेज के तीन रेजिडेंट डॉक्टर मरीजों को देख रहे हैं। डॉक्टर हर्षित माथुर ने बताया कि सबसे अधिक बुखार, छाती, गला दर्द और कमजोरी की शिकायत लेकर लोग पहुंच रहे हैं। बीपी गिरने की दिक्कत से भी लोग जूझ रहे हैं।

काफी लोग गर्मी के कारण चर्म संबंधी दिक्कतें लेकर भी अस्पताल पहुंच रहे हैं। मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य प्रो. उषा रावत का कहना है कि जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज आ रहे लोगों का प्राथमिकता से इलाज किया जा रहा है। पर्याप्त दवाइयां उपलब्ध हैं। अब मौसम में बदलाव होगा। लोगों को एहतियात बरतना चाहिए।

डॉक्टरों के तबादलों पर भड़के जनप्रतिनिधि और व्यापार मंडल

बड़कोट/पुरोला। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और उप जिला चिकित्सालय में चिकित्सकों के स्थानांतरण को लेकर लोगों में भारी नाराजगी है। दोनों स्थानों पर व्यापार मंडल, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय लोगों ने तबादला के आदेशों का विरोध करते हुए सरकार से इन्हें तत्काल निरस्त करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि जनहित में निर्णय वापस नहीं लिया गया तो व्यापक आंदोलन शुरू किया जाएगा। पुरोला उपजिला चिकित्सालय में तैनात एक मात्र फिजिशियन डॉ. मनोज असवाल के अचानक हुए स्थानांतरण का क्षेत्र में तीखा विरोध हो रहा है। लोगों का कहना है कि पुरोला, मोरी और सरबड़ियाड़ सहित दूरस्थ क्षेत्रों के हजारों मरीज उनके उपचार पर निर्भर हैं। ऐसे में उनके स्थानांतरण से पहले से विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी झेल रहे अस्पताल की

स्वास्थ्य सेवाएं गंभीर रूप से प्रभावित होगी।

व्यापार मंडल, प्रधान संगठन और अन्य सामाजिक संगठनों ने एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री को ज्ञापन भेजकर आदेश निरस्त करने की मांग की। क्षेत्रीय विधायक दुर्गेश लाल और पूर्व विधायक मालचंद ने भी सरकार से जनहित में तबादला रोकने का आग्रह किया है। वहीं, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़कोट के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. अंगद सिंह राणा के विकासनगर स्थानांतरण का भी स्थानीय स्तर पर विरोध तेज हो गया है। व्यापार मंडल, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों ने जिलाधिकारी एवं सीएमओ को ज्ञापन भेजकर कहा कि डॉ. राणा ने वर्षों तक दुर्गम क्षेत्र में रहकर उत्कृष्ट सेवाएं दी हैं और मरीजों का गहरा विश्वास अर्जित किया है। उनका कहना है कि पर्वतीय क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की पहले ही कमी है। ऐसे में अनुभवी डॉक्टरों का स्थानांतरण स्थानीय स्वास्थ्य व्यवस्था को कमजोर करेगा। कहा कि बड़कोट यमुनोत्री धाम का यात्रा पड़ाव भी है। ऐसे में अनुभवी डॉक्टर का स्थानांतरण किए जाने से स्थानीय लोगों के साथ–साथ यात्रियों को भी खासी दिक्कतें झेलनी पड़ेगी।

धामी सरकार का मिला सहारा, फिल्म जगत में चमकेंगे उत्तराखंड के युवा

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : उत्तराखंड फिल्म नीति 2024 के लाभ, उत्तराखंड के युवाओं को प्रत्यक्ष तौर पर मिलने शुरु हो गए हैं। इसी क्रम में उत्तराखंड फिल्म विकास परिषद ने फिल्म एंड टेलीविजन संस्थान, पूणे (एफटीआईआई) से पास आउट तीन युवाओं की छात्रवृत्ति का भुगतान कर दिया है।

उत्तराखंड फिल्म नीति 2024 के तहत फिल्म एंड टेलीविजन संस्थान, पूणे, सत्यजीत-रे फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान, कोलकाता या अन्य ख्यातिप्राप्त संस्थानों में प्रवेश लेने वाले उत्तराखंड राज्य के स्थाई निवासी छात्र-छात्राओं को मैरिट के आधार पर पाठ्यक्रम पूर्ण होने तथा प्रमाण पत्र प्राप्त करने के उपरांत छात्रवृत्ति प्रदान किए जाने का प्राविधान है। इसके तहत पाठ्यक्रम पर हुए व्यय के अनुसार एसटी, एससी, ओबीसी को 75 प्रतिशत एवं सामान्य अभ्यर्थियों को 50 प्रतिशत की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। उत्तराखंड फिल्म विकास परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बंशीधर तिवारी ने बताया कि इसी नीति के क्रम में ग्राम पोस्ट ऊखीमठ, रुद्रप्रयाग निवासी प्रवीण सेमवाल को एक वर्षीय स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट कोर्स के लिए कुल 65,682 रुपए की छात्रवृत्ति का भुगतान किया गया है। इसी तरह ग्राम, हरनी (मुंदोली) चमोली निवासी कविता को दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा कोर्स के लिए कुल 1,27,619 रुपए और तल्लीताल, नैनीताल निवासी देवेश भट्ट को तीन वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा के लिए कुल 1,38,990 रुपए की छात्रवृत्ति का भुगतान किया गया है।

उत्तराखंड के युवा रचनात्मक प्रतिभा की धनी है

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड के युवा रचनात्मक प्रतिभा की धनी हैं। राज्य सरकार का प्रयास है कि उन्हें अपनी प्रतिभा को निखारने और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध हों।

उत्तराखंड फिल्म नीति 2024 इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। फिल्म जगत में शिक्षा प्राप्त करने वाले राज्य के युवाओं को छात्रवृत्ति प्रदान कर सरकार उनके सपनों को नई उड़ान देने का कार्य कर रही है।

सरकार की वादाखिलाफी के विरोध में निकाय कर्मियों का प्रदर्शन

बाजपुर। प्रदेश सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए निकाय कर्मचारियों ने जुलूस निकालकर तहसील में प्रदर्शन किया। जल्द ही मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ के बैनर तले सफाई सहित अन्य निकाय कर्मचारी पालिका कार्यालय में एकत्र हुए। कर्मचारियों ने मुख्य मार्ग होते हुए शहीद भगत सिंह चौक तहसील कार्यालय तक जुलूस निकाला। उसके बाद तहसील परिसर में प्रदर्शन कर प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

वक्ताओं ने कहा कि आठ सूत्री मांगों पर 27 जुलाई 2021 को कर्मचारी संघ और प्रदेश सरकार के बीच समझौता हुआ था।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में बड़ा उलटफेर, मोरक्को ने पेनल्टी शूटआउट में नीदरलैंड को किया बाहर

मैक्सिको (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में मोरक्को ने रोमांचक मुकाबले में नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर अंतिम-16 में जगह बना ली। निर्धारित 90 मिनट और अतिरिक्त समय तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। इसके बाद गोलकीपर यासीन बोनू की शानदार बचाव और इस्माइल सैबारी के निर्णायक गोल ने मोरक्को को यादगार जीत दिला दी।

पेनल्टी शूटआउट में मोरक्को ने मारी बाजी

मैक्सिको के एस्टाडियो बीबीवीए स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में चार राउंड के बाद पेनल्टी शूटआउट का स्कोर 2-2 से बराबर था। ऐसे में मोरक्को के गोलकीपर यासीन बोनू ने नीदरलैंड के क्रिसेंसियो समरविले की पेनल्टी को शानदार अंदाज में रोक दिया। इसके बाद इस्माइल सैबारी ने दबाव में शानदार शॉट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट के निचले बाएं कोने में पहुंचाया और मोरक्को को 3-2 से जीत दिला दी।

गाकपो ने दिलाई बढ़त, डियोप ने बराबरी कराई

मुकाबले में पहला गोल नीदरलैंड की ओर से कोडी गाकपो ने 72वें मिनट में किया। क्रिसेंसियो समरविले के शानदार पास पर गाकपो ने गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। गोल के बाद डच खिलाड़ी जश्न मनाने मैदान पर दौड़ पड़े और भावुक गाकपो को गले लगाया। हाल ही में गाकपो और उनकी साथी नोआ वैन डेर बिज ने अपने अजन्मे बच्चे को खो दिया था, जिसके कारण यह गोल उनके लिए बेहद भावनात्मक पल बन गया। हालांकि, मोरक्को ने हार नहीं मानी। दूसरे हाफ के इंजरी टाइम (91वें मिनट) में चेम्सदीन तालबी के शानदार क्रॉस पर इस्सा डियोप ने हेडर के जरिए गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

अतिरिक्त समय में नहीं निकला नतीजा

30 मिनट के अतिरिक्त समय में दोनों टीमों ने कई प्रयास किए, लेकिन कोई भी गोल नहीं कर सकी। इसके बाद मुकाबले का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। यह फीफा वर्ल्ड कप 2026 का दूसरा मुकाबला रहा, जिसका नतीजा पेनल्टी शूटआउट से निकला। इससे पहले पराग्वे ने जर्मनी को पेनल्टी शूटआउट में हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

टॉप-7 टीमों की टक्कर में मोरक्को भारी

यह मुकाबला विश्व रैंकिंग की दो शीर्ष टीमों के बीच था। मोरक्को फीफा रैंकिंग में छठे और नीदरलैंड सातवें स्थान पर है। इस जीत के साथ मोरक्को ने लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप के नॉकआउट चरण में अपनी ताकत का प्रदर्शन किया और अंतिम-16 में जगह पक्की कर ली।

न्यूजीलैंड / इंग्लैंड : टॉम लैथम ने रचा इतिहास, इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतकर एलीट कप्तानों की लिस्ट में शामिल

स्पोर्ट्स डेस्क । टॉम लैथम की कप्तानी में न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को तीसरे और अंतिम टेस्ट में 160 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। बेन स्टोक्स की टीम को 373 रन का लक्ष्य मिला था, लेकिन अंतिम दिन पूरी टीम 212 रन पर सिमट गई। जेमी स्मिथ ने 60 रन बनाए, लेकिन वह हार नहीं टाल सके।

इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने इतिहास रच दिया। टीम ने पहली बार किसी टेस्ट सीरीज का पहला मैच हारने के बाद वापसी करते हुए सीरीज जीती। साथ ही 1999 के बाद इंग्लैंड में तीन या उससे अधिक मैचों की टेस्ट सीरीज जीतने का कारनामा भी किया।

टॉम लैथम एलीट कप्तानों की सूची में शामिल

इस ऐतिहासिक जीत के साथ टॉम लैथम ने कप्तानी में बड़ा मुकाम हासिल कर लिया। वह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसे सिर्फ छठे कप्तान बने हैं, जिन्होंने भारत और इंग्लैंड दोनों देशों में जाकर टेस्ट सीरीज जीती है। इतना ही नहीं, 21वीं सदी में लैथम पहले विदेशी कप्तान हैं जिन्होंने यह दुर्लभ उपलब्धि हासिल की है। इस प्रदर्शन ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट के सबसे सफल विदेशी कप्तानों में शामिल कर दिया है।

भारत के बाद इंग्लैंड में भी बजा जीत का डंका

इंग्लैंड में मिली यह जीत लैथम की 2024 में भारत में मिली ऐतिहासिक सफलता के बाद आई है। तब न्यूजीलैंड ने भारतीय सरजमीं पर भारत को 3-0 से क्लीन स्वीप कर इतिहास रचा था। यह पहली बार था जब किसी विदेशी टीम ने भारत को उसके घर में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप किया था। अब इंग्लैंड में सीरीज जीतकर लैथम ने लगातार दुनिया की दो सबसे कठिन विदेशी चुनौतियों को जीतने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।

'बैजबॉल' नहीं, पारंपरिक टेस्ट क्रिकेट से मिली सफलता

सीरीज जीतने के बाद टॉम लैथम ने कहा कि यह न्यूजीलैंड क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने टीम की मेहनत की तारीफ करते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने पूरे दौरे में अनुशासन और धैर्य के साथ प्रदर्शन किया। लैथम ने इंग्लैंड की आक्रामक 'बैजबॉल' रणनीति पर भी अप्रत्यक्ष टिप्पणी करते हुए कहा कि उनकी टीम ने पारंपरिक टेस्ट क्रिकेट खेलकर सफलता हासिल की और यही जीत की सबसे बड़ी वजह रही।

बेन स्टोक्स को बताया 'पीढ़ी में एक बार आने वाला खिलाड़ी'

मैच के बाद टॉम लैथम ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले बेन स्टोक्स को भी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि स्टोक्स ने टेस्ट क्रिकेट को नई दिशा दी और उनके खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा। लैथम ने कहा, 'बेन स्टोक्स पीढ़ी में एक बार आने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने पिछले 15 वर्षों में इंग्लैंड क्रिकेट के लिए जो योगदान दिया है, वह हमेशा याद रखा जाएगा। हम उनके शानदार करियर के लिए उन्हें बधाई देते हैं और भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।'

फीफा विश्वकप : पैराग्वे ने पूर्व विश्व चैंपियन जर्मनी को 4-3 से हराकर किया हैरान

बोस्टन (एजेंसी)। पैराग्वे ने फीफा विश्वककप फुटबॉल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए पूर्व विश्व चैंपियन जर्मनी को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया है। ये मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहने के बाद मुकाबल पेनाल्टी शूटआउट में चला गया जहां पैराग्वे ने बाजी मार ली।

पैराग्वे की ओर से मैच के 42वें मिनट में जूलियो एन्सिसो ने हेडर के जरिए गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलायी। इसके बाी जर्मनी ने पलटवार करते हुए दूसरे हाफ के 52वें मिनट में काई हावर्ट्ज़ के गोल से मुकाबला 1- से बराबरी पर ला दिया।

वहीं अतिरिक्त समय में जर्मनी ने जोनाथन टाह के हेडर से गोल कर 2-1 की बढ़त बना ली थी पर वीडियो असिस्टेंट रेफरी की समीक्षा में फाउल होने के कारण ये गोल अमान्य कर दिय गया। जिससे मुकाबला फिर बराबरी पर पहुंच गया। ऐसे में पेनल्टी शूटआउट का अवसर दिया गया। जिसमें पराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल ने दो गोल रोक दिये। वहीं जोस कैनाले ने सडन डेथ में पेनल्टी को गोल में बदलकर पैराग्वे को 4-3 से शानदार जीत दिलाई। इससे पहले विश्वकप में दोनो टीमों के बीच साल 2002 में मुकाबला हुआ था। तब जर्मनी ने पैराग्वे को 1-0 से हराया था। अब करीब 24 साल बाद पैराग्वे ने जर्मनी को हराकर उस हार का बदला ले लिया है। पैराग्वे का समाना अब राउंड ऑफ-16 में फ्रांस और स्वीडन के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से भिड़ेगा।

इंग्लैंड के खिलाफ जीत से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

–वैभव को मिल सकता है डेब्यू का अवसर

चेस्टर ली स्ट्रीट (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को इससे पहले आयरलैंड जैसी कमजोर टीम से हार का सामना करना पड़ा था। जिससे मिले सबक को ध्यान में रखने हुए भारतीय टीम का लक्ष्य बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच खेलने हैं।

इस सीरीज के पहले मैच में 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को डेब्यू का अवसर मिलेगा या नहीं ये देखना होगा। सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने स्पष्ट किया है कि सूर्यवंशी को भी अन्य खिलाड़ियों की तरह एकादश में जगह बनाने के लिए प्रक्रिया से गुजरना होगा और सही समय का इंतजार करना होगा।, उन्होंने हालांकि वैभव की प्रशंसा करते हुए उसे योग्य बताया है। डोएशे ने माना है कि आयरलैंड से मिली 0-2 की हार के बाद टीम में निराशा है, जिससे बड़े बदलावों की संभावना बढ़ गई है।

गौरतलब है कि सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन आयरलैंड के खिलाफ दोनों ही मैच में असफल रहे थे। ऐसे में उन्हें आराम देकर अभिषेक शर्मा के साथ वैभव को पारी की शुरुआत करने का अवसर मिला सकता है। सैमसन के अलावा ईशान किशन भी आयरलैंड के खिलाफ असफल रहे थे। ऐसे में प्रबंधन उन्हें भी बाहर कर सकता है।

इंग्लैंड में सफलता के लिलए भारतीय बल्लेबाजों को अपनी सोच और खेलने के तरीके में तुरंत बदलाव करना होगा, क्योंकि इंग्लैंड में बेलफास्ट की तरह ही तेज और उछाल वाली पिचें हैं। बेलफास्ट में भारतीय बल्लेबाज असफल रहे थे।

इंग्लैंड के पास जोफ्रा आर्चर, जोश टंग जैसे तेज गेंदबाज और आदिल रशीद, रेहान अहमद जैसे अच्छे स्पिनर हैं। अगर भारतीय बल्लेबाज इन गेंदबाजों के खिलाफ हालात से तालमेल बिठाने में असफल रहे तो उसके लिए जीतना कठिन होगा। मेजबान टीम को घरेलू हालातों का भी लाभ मिलेगा।

इंग्लैंड के पास कप्तान हैरी ब्रूक के अलाव जोस बटलर, जोर्डन कॉक्स और फिल सॉल्ट जैसे बेहतरीन बल्लेबाज हैं। आयरलैंड के खिलाफ दोनों मैच में भारतीय गेंदबाज शुरुआती पकड़ बनाने के बाद बीच के ओवरों में विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में असफल रहे थे जिससे मैच हाथ से फिसल गया था। इस बार ऐसा हुआ तो इंग्लैंड के बल्लेबाज आसानी से जीत हासिल कर लेंगे। इसलिए भारतीय गेंदबाजों को कसी हुई गेंदबाजी करनी होगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत– श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सूर्यांश शेडगे, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, इशान किशन, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी।

इंग्लैंड– हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, सोनी बेकर, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, जेम्स कोल्स, जोर्डन कॉक्स, सैम कुरन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, साकिब महमूद, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, जोश टंग और ल्यूक वुड।

हैरी ब्रूक को बनाया जाये नया टेस्ट कप्तान : स्टोक्स

लंदन। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अचानक ही संन्यास लेने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि कप्तानी संभालने के लिए युवा खिलाड़ी हैरी ब्रूक सबसे बेहतर रहेंगे। 27 वर्षीय ब्रूक अभी सीमित ओवरों की कप्तानी कर रहे हैं। गौरतलब है कि कप्तानी स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार के बाद अचानक ही खेल को अलविदा कहने की घोघणा कर दी थी। संन्यास की घोषणा के बाद अब स्टोक्स चाहते हैं कि ब्रूक को टीम की कमान मिलनी चाहिए। स्टोक्स के अनुसार ब्रूक लंबे समय से टीम के उपकप्तान हैं और नेतृत्व की जिम्मेदारी निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। स्टोक्स ने कहा, उन्हें इस टीम का उपकप्तान किसी वजह से बनाया गया है। वह शानदार खिलाड़ी हैं और इस टीम के सबसे वरिष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। स्टोक्स ने यह भी साफ किया कि उनकी गैरमौजूदगी में जो रूट को कप्तानी देने के फैसले में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि उपकप्तान का पद किसी खिलाड़ी को भविष्य के कप्तान के तौर पर तैयार करने के लिए ही दिया जाता है और उन्होंने स्वयं भी जो रूट के नेतृत्व में इसी सफर को तय किया था, जो बाद में टेस्ट कप्तान बने। स्टोक्स जहां ब्रूक को टेस्ट कप्तान बनाने के पक्ष में हैं। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड टीम प्रबंधन इस फैसले में जल्दबाजी नहीं करना चाहता, क्योंकि ब्रूक पहले से ही एकदिवसीय और टी20 टीम की कप्तानी कर रहे हैं। ऐसे में अगर उन्हें टेस्ट टीम की कमान भी सौंपी जाती है तो उनके ऊपर तीनों फॉर्मेट की कप्तानी का अतिरिक्त दबाव आ सकता है। खेल विश्लेषकों का मानना है कि यह स्थिति युवा कप्तान के प्रदर्शन और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यदि ब्रूक टेस्ट कप्तान बनते हैं तो उन्हें सीमित ओवरों के किसी एक प्रारूप की कप्तानी छोड़नी पड़ सकती है, ताकि काम के बोझ को संतुलित किया जा सके। ऐसे में सैम करन और जैकब बेथेल को व्हाइट-बॉल टीम की कप्तानी दी जा सकती है। दूसरी ओर इस पूरे मामले पर इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने इंतजार करने को कहा है।

विंबलडन टेनिस 2026: सिनर और जोकोविच जीत के साथ दूसरे दौर में पहुंचे

लंदन (एजेंसी)। इटली के टेनिस स्टार और विश्व के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 के पहले दौर में सर्बिया के मिओमिर केमैनोविक को पांच सेटों तक चले एक रोमांचक मुकाबले में 4-6, 6-3, 6-7 (6), 6-2, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया है। वहीं एक अन्य मैच में विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने भी जीत के साथ शुरुआत करते हुए दूसरे दौर में जगह बनायी है।

सिनर और केमैनोविक के मैच की बात करें तो शुरुआती सेट में पिछड़ने के बाद सिनर ने शानदार वापसी करते हुए और करीब साढ़े तीन घंटे तक चले मुकाबले के बाद अंत में जीत दर्ज की।

सेंटर कोर्ट पर खेले गए इस मुकाबले में दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी सिनर को शुरुआत में ही कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। दुनिया के 50वें नंबर के खिलाड़ी मिओमिर केमैनोविक ने अपनी आक्रामक खेल शैली और सटीक शॉट्स के दम पर पहले सेट में 6-4 से जीत हासिल कर सभी को हैरान कर दिया। इसके बाद सिनर ने जल्द ही अपनी लय पकड़ी और दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए 6-3 से जीत दर्ज कर मुकाबले को बराबरी पर ला खड़ा किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच बराबरी का खेल तीसरे सेट में भी जारी रहा, जहां हर अंक के लिए जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला। यह सेट टाई-ब्रेक तक पहुंचा, और केमैनोविक ने 8-6 के स्कोर के साथ टाई-ब्रेक जीतकर 2-1 की बढ़त बना ली, जिससे सिनर पर दबाव और बढ़ गया।

सिनर ने चौथे सेट में अपनी सर्विस और फोरहैंड का बखूबी इस्तेमाल करते हुए केमैनोविक पर दबाव बनाया और 6-2 से जीत हासिल कर मैच को निर्णायक पांचवें सेट तक खींच लिया। पांचवें और अंतिम सेट में सिनर पूरी तरह हावी रहे। उन्होंने 6-3 से यह सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

वहीं जोकोविच ने एक अन्य मुकाबले में चीन के वू यिबिंग को चार सेट तक चले संघर्ष के बाद 6-4, 5-7, 6-4, 6-4 हराया। अब दूसरे दौर में जोकोविच का सामना यूनान के स्टार खिलाड़ी स्टेफानोस सितसिपास से होगा।

स्टोक्स के आसान नहीं होगा संन्यास के बाद मैदान से दूर रहना : सचिन

मुम्बई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने अचानक की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले इंग्लैंड के दिग्गज ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को सोशल मीडिया के जरिये दिये अपने संदेश में कहा है कि उनके लिए मैदान से दूर रहना कठिन होगा। इस दौरान सचिन ने स्टोक्स के निडर अंदाज और जीत के जज्बे के सथ ही प्रेरणादायक कप्तानी की जमकर प्रशंसा की। स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के बाद अचानक ही संन्यास की घोषणा कर 15 साल के अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का सामापन कर दिया। तेंदुलकर ने स्टोक्स के खेल को अलविदा कहने के फैसले पर कहा कि ऑलराउंडर ने हर मैच में जो ऊर्जा दिखाई, वह हमेशा ही अद्वितीय रही। उन्होंने स्टोक्स के एक ऑलराउंडर और कप्तान के तौर पर टीम में पड़े प्रभाव की भी सराहना की है। तेंदुलकर ने सोशल मीडिय में लिखा, ' स्टोक्स, मुझे इसलिए पसंद रहे क्योंकि वह खेल में काफी ऊर्जा लेकर आते थे। उनका सकारात्मक रवैया, बेखौफ इरादा और दबाव में मैच का रुख पलटने की कला हमेशा याद आयेगी।卐 उन्होंने स्टोक्स को इंग्लैंड के बेहतरीन ऑलराउंडरों में से एक बताया। साथ ही लिखा, 卐एक ऑलराउंडर के तौर पर आप इंग्लैंड के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में रहे हैं। कप्तान के रूप में आपकी साहसिक रणनीतियां और खेल को सहज समझने की क्षमता ने आपकी टीम को एक नई दिशा दी।'

एशियाई खेलों के लिए हरमनप्रीत की कप्तानी बरकरार, यास्तिका की जगह कमलिनी शामिल

-15 सदस्यीय भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित की गयी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने जापान में होने वाले आगामी एशियाई खेलों 2026 के लिए 15 सदस्यीय भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित कर दी है। टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर के पास ही रहेगी। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम को टी20 विश्वकप में हार का सामना करना पड़ा है पर इसके बाद भी बोर्ड का उनपर भरोसा बना हुआ है। ऐसे में हरमनप्रीत का लक्ष्य एशियाई खेलों में भारतीय टीम को खिताब जिताना रहेगा। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही 17 साल की एक उभरती हुई क्रिकेटर जी. कमलिनी को भी पहली बार शामिल किया गया है।

17 वर्षीय युवा विकेटकीपर–बल्लेबाज कमलिनी को अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया की जगह पर लिया गया है। कमलिनी ने महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) में मुंबई इंडियंस के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 मैच खेले हैं। कमलिनी को पहली बार अंतरराष्ट्रीय मंच पर जगह मिली है जिसमें वह बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करना होगा। ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल की टीम में वापसी हुई है हालांकि उनको टीम में जगह फिटनेस क्लियरेंस पर निर्भर करेगी। चोट के कारण श्रेयंका टी20 विश्व कप से बाहर हो गई थीं। ऐसे में उनकी जगह पर प्रेमा रावत को टीम में शामिल किया गया था पर वह प्रभावित नहीं कर पायी थीं, प्रेमा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू भी किया था पर वह केवल एक मैच ही खेल सकीं और उस मुकाबले में उन्होंने अपने दो ओवर में 21 रन दिए थे।

भारतीय महिला टीम ने साल 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था जिसे वह इस बार भी बरकरार रखने उतरेगी। हरमनप्रीत की अगुवाई में यह टीम युवा जोश और अनुभव का सही मिश्रण प्रतीत होती है, जो उम्मीद है कि एशिया के सबसे बड़े खेल महाकुंभ में भारतीय टीम इस बार भी स्वर्ण पदक जीतेगी।

टीम इस प्रकार है– हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्ज, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयंका पटिल* (फिटनेस के अधीन), राधा यादव, नंदिनी शर्मा।

महिला क्रिकेट को सभी विभागों में सुधार करना होगा : मजूमदार

लंदन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा है कि टीम को अभी खेल के तीनों विभागों बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग में सुधार की जरुरत है। अमोल के अनुसार टीम टी20 विश्वकप में इन सभी क्षेत्रों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पारी जिसके कारण ही उसे हार का सामना करना पड़ा है। साथ ही कहा कि टीम का सामूहिक प्रदर्शन उस स्तर का नहीं रहा जिसकी ऐसे बड़े टूर्नामेंट में उम्मीद की जाती है। मजूमदार ने भविष्य की रणनीति पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हमें अपनी रणनीति और अपने टी20 खेल पर नए सिरे से विचार करना होगा।

आईसीसी गेंदबाजी रैंकिंग में भारत की श्री चरणी शीर्ष पर बरकरार

–सोफी एक्लेस्टोन तीसरे स्थान पर पहुंची

दुबई (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की अंतराष्ट्रीय टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय स्पिनर श्री चरणी नंबर एक स्थान पर बरकरार हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल बल्लेबाजी में और वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज ऑलराउंडरों में नंबर-1 पर कायम हैं।इसके अलावा सभी श्रेणियों में कई बदलाव शीर्ष पांच खिलाड़ियें में हुए हैं। आईसीसी टी20 विश्वकप में प्रदर्शन के आधार पर ये बदलाव हुए हैं।

गेंदबाजों की रैंकिंग में, श्री चरणी ने विशवकप में 14 विकेट लिए। वहीं गेंदबाजों की शीर्ष-5 रैंकिंग में शामिल इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन विश्वकप में आठ विकेट लेने के कारण एक स्थान के लाभ के साथ ही तीसरे स्थान पर पहुँच गई हैं, जबकि उनकी साथी लॉरेन बेल तीन पायदान ऊपर आकर चौथे स्थान पर आ गई हैं। दक्षिण अफ्रीका की नॉनकुलुलेक म्लाबा एक स्थान ऊपर पाँचवें और पाकिस्तान की अनुभवी नशरा संधू एक स्थान ऊपर नौवें स्थान पर पहुँच गई हैं। दक्षिण अफ्रीका की तेज गेंदबाज मारिजाने कैप सात स्थान के लाभ के साथ ही 14वें, स्कॉटलैंड की ऑलराउंडर कैथरीन ब्राइस 17 स्थान ऊपर आकर 26वें और न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज ब्री इलिंग छह स्थान के लाभ के साथ ही 31वें स्थान पर पहुँच गयी हैं।

बल्लेबाजों की सूची में, ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल अपनी नंबर-1 पर बनी हुई हैं, जबकि उनकी साथी खिलाड़ी बेथ मूनी दूसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ड्ट ने एक स्थान की छलांग लगाकर तीसरा स्थान हासिल किया है। श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू, जिन्होंने आयरलैंड के खिलाफ शानदार शतक जड़ा था, दो स्थान के लाभ के साथ ही सातवें नंबर पर आ गई हैं। इंग्लैंड की ओपनर डैनी वायट हॉज पाँच पायदान ऊपर 11वें स्थान पर पहुँच गई हैं। भारत के खिलाफ 56 रनों की शानदार पारी खेलने वाली ऑस्ट्रेलिया की अनुभवी क्रिकेटर एलिस पेरी ने पाँच स्थान के लाभ के साथ ही 17वें स्थान पर पहुंच गयी है। दक्षिण अफ्रीका की एनेरी डर्कसेन चार स्थान ऊपर 24वें पर और स्कॉटलैंड की डार्सी कार्टर 13 स्थान ऊपर 42वें पर पहुंच गयी हैं। ऑलराउंडर्स की सूची में, वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज नंबर एक पर बनी हुई है, जबकि न्यूजीलैंड की अमेलिया केर दूसरे नंबर पर हैं। आयरलैंड की स्टार ओर्ला प्रेंडरगैस्ट ने दो स्थान ऊपर आकर संयुक्त तीसरे स्थान पर आ गयी हैं। मारिजाने कैप एक स्थान चढ़कर आठवें पर, ब्राइस तीन स्थान चढ़कर 11वें पर और एनाबेल सदरलैंड दो स्थान चढ़कर 17वें पर पहुंच गयी हैं।